आश्विन शुक्ल पक्ष-09, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 109 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
11 अक्टूबर 2024
शुक्रवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
27 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

फिर मौसम बिगड़ने वाला है दशहरे पर बरसात का साया

भोपाल , दोपहर मेट्रो।

इस बार दशहरा पर भोपाल समेत आसपास के इलाकों में हल्की बारिश के आसार बन गये हैं। इंदौर व आसपास के इलाकों में भी बारिश जारी है। बताया जाता है कि अरब सागर में गहरा कम दबाव का क्षेत्र बन गया है।

बंगाल की खाड़ी में तमिलनाडु के तट पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। गहरे कम दबाव के क्षेत्र से केरल, तमिलनाडु होते हुए बंगाल की खाड़ी तक एक द्रोणिका बनी हुई है। पाकिस्तान और उससे लगे जम्मू पर एक पश्चिमी विक्षोभ हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अलग-अलग स्थानों पर बनी इन मौसम प्रणालियों के असर से जबलपुर, नर्मदापुरम, इंदौर संभाग के जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। अरब सागर में बनी मौसम प्रणाली के 48 घंटे में अवदाब के क्षेत्र में बदलने की संभावना है। इस वजह से प्रदेश के अधिकतर जिलों में बादल बने रहेंगे। साथ ही जबलपुर, नर्मदापुरम, इंदौर संभाग के जिलों में बारिश का सिलसिला बना रहेगा। शेष क्षेत्रों में भी गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

अखिलेश का घर घेरा जेपी सेंटर जाने से रोका

लखनऊ में जमकर सियासी बवाल

लखनऊ , एजेंसी।

जयप्रकाश नारायण की जयंती पर आज फिर लखनऊ में सियासी पारा चढ़ा हुआ है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव जेपी सेंटर में श्रद्धांजलि के लिए अड़े हुए हैं मगर योगी सरकार ने उनके कैंपस में जाने पर रोक लगा दी है। सेंटर के गेट पर टीन की बड़ी दीवार लगा दी गई है और अखिलेश के घर के बाहर बैरिकेडिंग लगाकर ट्रैफिक को बंद कर दिया गया है, यादव की सुरक्षा में तनाव पुलिस फोर्स के अलावा किसी के भी आने जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। सपा अध्यक्ष के आवास की तरफ जाने वाले दोनों तरफ के रास्तों पर पुलिस ने करीब 200 मीटर पर ही बैरिकेडिंग लगाई। इसके बाद अखिलेश घर से जेपी की प्रतिमा लेकर यहां पहुचें और अखिलेश ने घर से करीब 50 दूर जाकर बीच सड़क पर ही जेपी की प्रतिमा का माल्यार्पण कर दिया। पिछले साल अखिलेश ने सेंटर का गेट फांदकर(उपर चित्र) माल्यापर्ण किया था।

वहीं यादव ने आरोप एक्स पर पोस्ट किया कि 'भाजपाई लोग हों या इनकी सरकार, इनका हर काम नकारात्मकता का प्रतीक है। पिछली बार की तरह समाजवादी लोग कहीं 'जय प्रकाश नारायण जी' की जयंती पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण करने न चले जाएं, इसीलिए उन्हें रोकने के लिए हमारे निजी आवास के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गयी है।

अखिलेश का ड्रीम प्रोजेक्ट

दरअसल जेपीएनआईसी अखिलेश का ड्रीम प्रोजेक्ट है, यह सपा सरकार में 2013 में जेपीएनआईसी बनना शुरू हुआ था। इस पर 813 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 2016 को यादव ने इसके स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन कर दिया था। फिर भी इस हिस्से को वापस बंद कर दिया गया। इस सेंटर में समाजवादी विचारक जय प्रकाश नारायण की प्रतिमा भी लगी है, यहां हर साल समाजवादी कार्यक्रम होते रहे हैं।

बीती रात किया था इस्तीफे का ऐलान, भाजपा ने ली राहत की सांस

फटकार व पुचकार के बाद रातभर में पलट गए भाजपा विधायक पटैरिया

भोपाल/ सागर, दोपहर मेट्रो।

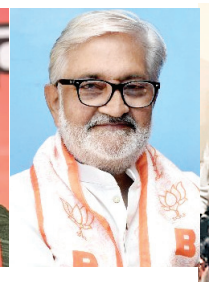

मप्र में सत्तारूढ़ दल भाजपा में देर रात आया एक औचक ट्विस्ट सुबह होने तक ठीक हो गया। कांग्रेस से आए भाजपा विधायक ब्रजबिहारी पटैरिया के तेवर संयत हो गए और वे अपने इस्तीफे की बात से ही पलट गये। देवरी विधायक पटैरिया ने बीती रात तैश में आकर इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से भाजपा की भीतर हडंकप था और डैमेज कंट्रोल के प्रयास समझाइश व फटकार के मिलेजुले डोज से शुरू हुए थे। इसके बाद पटेरिया ने अपना धरना भी समाप्त कर दिया और इस्तीफे से भी पलट गये। उल्लेखनीय है कि पटैरिया बीती रात केसली थाने में अपने समर्थकों के साथ धरने पर जा बैठे थे तथा अपना त्यागपत्र विधानसभा अध्यक्ष को भेजने की बात भी मीडिया के समक्ष कही थी। जानकार सूत्र बताते हैं कि इसके बाद द देर रात प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और संगठन सक्रिय हुए और फटकार के बाद पटेरिया धरना समाप्त करने के साथ ही एक वीडियो जारी कर त्यागपत्र की बात से पलट गए। पटेरिया ने अब कहा कि 'स्वाभाविक वो आक्रोश का विषय था। दुर्भाग्यपूर्ण क्षण था, जब मैंने आक्रोश के वशीभूत होकर वो कदम उठा लिया था। पार्टी मेरे साथ में है। मुख्यमंत्री हमारे साथ में हैं। पूरा संगठन, मंडल अध्यक्ष, वो सभी कार्यकर्ता मेरे साथ में हैं, जिन्होंने मुझे इस पद तक पहुंचाया है। अब उन सबके निर्देशों और आदेशों का पालन मैं करूंगा। अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करूंगा। अब इस्तीफे की कोई बात ही नहीं है।'

इसके पहले गुरुवार देर रात अचानक खबर आयी कि पटेरिया ने विधायक पद से त्यागपत्र दे दिया है और वे सागर जिले के केसली थाना परिसर में अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए हैं। पटेरिया केसली थाने पहुंचे थे और वहां एक पीड़ित की कथित तौर पर प्राथमिकी दर्ज नहीं होने के कारण उन्होंने वहीं से त्यागपत्र लिखकर विधानसभा अध्यक्ष और सचिवालय को भेज दिया था। तब उन्होंने कहा था कि जब सत्तारूढ़ दल के विधायक की बात ही नहीं सुनी जाए, तो वे ऐसी 'विधायिकी' नहीं करना चाहते।

पटेरिया के त्यागपत्र की खबर के बाद प्रदेश भाजपा संगठन और सरकारी तंत्र भी सक्रिय हुआ। देर रात प्रदेश अध्यक्ष और संगठन ने फोन पर पटेरिया को सख्ती से समझाया, तब उन्होंने तत्काल इस्तीफे की बात से पलटकर बयान जारी किया। बताया गया है कि श्री पटेरिया को फोन पर जमकर फटकार लगायी गयी। पटेरिया पहले कांग्रेस में थे और उसके टिकट पर भी दो दशक से अधिक समय पहले देवरी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। नवंबर दिसंबर 2024 का चुनाव उन्होंने देवरी से भाजपा के टिकट पर लड़ा और विजयी हुए।

बीती रात सागर जिले के केसली थाने में समर्थकों के साथ धरने पर बैठे विधायक बृजविहारी पटैरिया।

पुलिस अधिकारी पहुंचे थाने

भाजपा विधायक बृजबिहारी पटैरिया के अपने समर्थकों के साथ थाने में धरने पर बैठने की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारी थाने पहुंचे और उन्हें समझाने की कोशिश की। लेकिन विधायक पटैरिया आरोपित डॉक्टर पर एफआईआर की मांग पर अड़े रहे। आखिरकार 4 घंटे तक विधायक के धरना प्रदर्शन के बाद पुलिस ने आरोपित डॉक्टर पर एफआईआर दर्ज की।

कई स्थानों पर खुले हुए हैं मोर्चे

भाजपा के भीतर कई स्तरों पर जारी यह 'संघर्ष' सरकार और संगठन को असहज करने वाला है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक के खिलाफ अपने ही विधायकों ने मोर्चा खोल दिया था। वहीं, राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल और नर्मदापुरम सांसद के बीच प्रोटोकॉल को लेकर मामला उलझ गया था। वहीं विंध्य में रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा और त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी में ठन चुकी है, मामला सिद्धार्थ के दादा स्व श्रीनिवास तिवारी पर टिप्पणी से बिगड़ा। हाल में मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल एसपी कार्यालय में दंडवत हो गये, वे शराब माफिया को संरक्षण का आरोप लगा रहे थे। अजय विश्नोई भी लंबे समय से खिन्न नजर आते हैं और अक्सर तीखे कटाक्ष करते रहे हैं।

मोदी ने अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिकंन से मुलाकात की

नई दिल्ली , एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान सम्मेलन में शामिल होने के लिए लाओस दौरे पर हैं। आज दौरे का दूसरा दिन है। उन्होंने आसियान देशों के विभिन्न नेताओं के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की हैं। मोदी ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से भी मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने चक्रवाती तूफान मिल्टन में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। इससे पहले गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज और क्वाड समूह के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। वियनतियाने में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के साथ ही ईस्ट एशिया सम्मेलन का भी आयोजन हो रहा है।

इंटरपोल ने महादेव बैटिंग एप के मालिक को दुबई में दबोचा

भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली , एजेंसी।

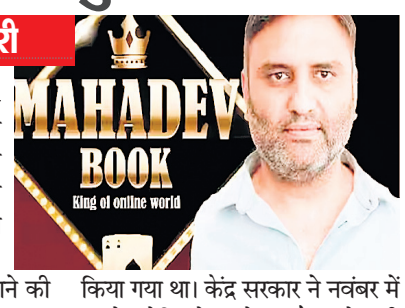

महादेव बेटिंग ऐप केस में भारत की जांच एजेंसियों को बड़ी कामयाबी मिली है। सूत्रों के मुताबिक बेटिंग ऐप के मालिक सौरभ चंद्राकर को इंटरपोल ने डिटेन कर लिया है, जिसके बाद उसे भारत वापस लाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रवर्तन निदेशालय टीम महादेव ऐप के मालिक सौरभ चंद्राकर को एक हफ्ते के अंदर भारत लेकर आ सकती है। बताया जा रहा है कि इंटरपोल ने सीबीआई को सूचित किया है, जो नोडल एजेंसी है।

इस मामले में ईडी ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हादेव ऐप के मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर का दाऊद इब्राहिम से भी कनेक्शन है। देश के कई राज्यों में महादेव ऐप के खिलाफ केस दर्ज है। इससे पहले दिसंबर को भी सौरभ चंद्राकर को दुबई में हिरासत में लेने के बाद 'घर में नजरबंद' किया गया था। केंद्र सरकार ने नवंबर में महादेव बेटिंग ऐप समेत अवैध सट्टेबाजी वाले 22 ऐप और वेबसाइटों को ब्लॉक करने का आदेश दिया था।

महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामला तब सुर्खियों में आया था, जब ईडी ने दावा किया कि उसने एक 'कैश कूरियर' के ईमेल स्टेटमेंट को रिकॉर्ड किया है, जिसमें खुलासा हुआ है कि छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यूएई में स्थित ऐप प्रमोटरों से कथित तौर पर 508 करोड़ रुपये लिए थे. हालांकि, बघेल ने आरोपों को खारिज किया था।

बांग्लादेश के मंदिर से मोदी का दिया मुकुट चोरी

ढाका , एजेंसी।

बांग्लादेश के सतखीरा में स्थित मां काली के जेशोरेश्वरी मंदिर की बहुत मान्यता है। अब खबर है कि पीएम मोदी द्वारा भेंट किया गया मुकुट मंदिर से चोरी हो गया है। सोने की परत चढ़ा चांदी का मुकुट गुरुवार दोपहर में मंदिर से चोरी हुआ। दरअसल, जब पीएम मोदी ने साल 2021 में बांग्लादेश का दौरा किया था जेशोरेश्वरी मंदिर भी गये थे। उस दिन उन्होंने प्रतीकात्मक संकेत के रूप में देवी के सिर की मूर्ति पर मुकुट रखा था। 'जेशोरेश्वरी' नाम का अर्थ है 'जेशोर की देवी'। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने बताया कि, 'हम चोर की पहचान करने के लिए मंदिर के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं'।

मेट्रो एंकर

एलन मस्क ने फ्यूरोस्टिक कार से पर्दा हटाया

बिना स्टीयरिंग वाली रोबोटैक्सी जल्द सड़कों पर!

नई दिल्ली , एजेंसी।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कैलिफोर्निया में अपनी कंपनी के नए रोबोटैक्सी, साइबरकैब से पर्दा उठाया तो लोग हैरान रह गए। इस रोबोटैक्सी का इंतजार लंबे समय से हो रहा था। मस्क ने घोषणा की कि इसका उत्पादन 2026 की शुरुआत में शुरू होगा और इस ड्राइवरलेस इलेक्ट्रिक वाहन की कीमत 30हजार डॉलर से कम होने की उम्मीद है। इस इवेंट के दौरान मस्क रोबोटैक्सी के प्रोटोटाइप के साथ मंच पर पहुंचे, और वाहन के भविष्य के डिजाइन के बारे में जानकारियां दी। जानकारों का मानना है कि,टेस्ला साइबर कैब की सफलता कंपनी के बेहतर भविष्य लिए बेहद जरूरी है क्योंकि इस प्रोजेक्ट पर कंपनी तगड़ा निवेश कर रही है। टेस्ला अगले साल टेक्सास और कैलिफोर्निया में पूरी तरह से ऑटोनॉमस ड्राइविंग शुरू करने की योजना बना रही है। दरअसल,रोबोटैक्सी एक पर्पज-बिल्ट ऑटोनॉमस व्हीकल (स्वयं चलने वाली) व्हीकल है, जिसमें स्टीयरिंग व्हील या पैडल नहीं है। जिसका अर्थ है कि प्रोडक्शन में जाने से पहले इसे सरकारी नियामकों से मंजूरी लेनी होगी। इसका डिज़ाइन काफी फ्यूचरिस्टिक है। जिसमें बटरफ्लाई के पंखों की तरह ऊपर की ओर खुलने वाले दरवाज़े और एक छोटा केबिन दिया गया है। इसमें दो यात्रियों के बैठने की जगह है। प्रोटोटाइप मॉडल से पता चलता है कि इसमें कोई स्टीयरिंग व्हील या पैडल है और न ही इसमें कोई चार्जिंग प्लग की जगह दी गई है। मस्क ने कहा कि ये रोबोटैक्सी वायरलेस तरीके से बिजली प्राप्त करेगा और वाहन की बैटरी को चार्ज करेगा।

आम कारों के मुकाबले सुरक्षित

ड्राइवरलेस कारों को लेकर आमतौर पर हमेशा से यही धारणा रही है कि, ये ड्राइविंग के लिए सुरक्षित नहीं है। टेल्सा के ऑटोनॉमस ड्राइविंग से लैस कारों में भी कइर्द बार खामियां देखने को मिली हैं लेकिन मस्क ने कहा कि ऑटोनॉमस कारें किसी भी आम कार की तुलना में 10-20 गुना अधिक सुरक्षित होंगी तथा इनकी लागत शहरी बसों के लिए 1 डॉलर प्रति मील की तुलना में मात्र 0.20 डॉलर प्रति मील हो सकती है।

इजरायली हमले की चपेट में शांति सैनिक

तेलअवीव , एजेंसी।

गाजा पट्टी में जारी इस्राइली सेना के जमीनी हमले में तीन इस्राइली सैनिकों की मौत हुई है। वहीं इस्राइली सेना के हमले की चपेट में लेबनान में मौजूद संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों का मुख्यालय भी आ गया है, जिसमें दो शांति सैनिक घायल हुए हैं। दुनिया के विभिन्न देशों और संयुक्त राष्ट्रने भी इस हमले की तीखी आलोचना की है। शांति सैनिकों के लेबनान स्थित मुख्यालय पर हमले को लेकर इस्राइल ने कहा है कि हिजबुल्ला के उग्रवादी यूएन मुख्यालय के नजदीक ठिकाना बनाए हुए थे। वहीं इटली और अमेरिका ने इस हमले पर नाराजगी जाहिर की है।

- अवकाश सूचना -

दशहरा पर्व के मौके पर कल 12 अक्टूबर को दोपहर मेट्रो कार्यालय में अवकाश रहेगा।

गरबे का आयोजन

भोपाल। शहर के टीला जमालपुरा शॉपिंग सेंटर गरबे का आयोजन किया गया

कन्याभोज

भोपाल। राजधानी के शाहजहानाबाद दुर्गा मंदिर पर अष्टमी पर कन्या भोज का आयोजन किया।

रावण का सबसे बड़ा पुतला

भोपाल। राजधानी में प्रदेश के सबसे बड़े रावण के पुतले का दहन कोलार के बंजारी मैदान पर कल होगा। यह 105 फीट का रावण है। यहां कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों की ऊंचाई भी प्रदेश में सबसे ज्यादा होगी। सभी पुतलों को बनाने के लिए राजस्थान के कलाकार भोपाल बुलाए गए हैं इन कारीगरों में प्रमुख रूप से जावेद खान अपने पिता और 10 लोगों के साथ इन तीनों पुतलों को आकर दे रहे हैं। इसके अलावा भोपाल में छोला,भेल, बिट्टन मार्केट समेत करीब पचास स्थानों पर रावण के बड़े पुतले जलेंगे।

अवैध कॉलोनियों में स्थायी विद्युत कनेक्शन देने की शुरूआात

उपभोक्ता किश्तों में जमा कर सकेंगे राशि

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश की घोषित एवं अघोषित अवैध कॉलोनियों के रहवासियों को स्थायी विद्युत कनेक्शन देने के लिये आवश्यक अधोसंरचना निर्माण की लागत के भुगतान में राहत देने हेतु ÷सुगम विद्युत (सुविधा) योजना-2024÷ लागू की गई है। राज्य शासन के ऊर्जा विभाग के अनुसार मध?य प्रदेश की इन कॉलोनियों के रहवासियों की समस्याओं के समाधान के लिये बनाई गई यह योजना दो वर्ष के लिये लागू रहेगी। योजना में निर्धारित शर्तों के अधीन अधोसंरचना लागत राशि किश्तों में जमा की जा सकती है। योजना की समीक्षा के बाद इसे आगे बढ़ाने पर विचार किया जायेगा। ऐसी अवैध कॉलोनियां जो रेरा में पंजीकृत नहीं है, के नये आवेदक जो विद्युत कनेक्शन के लिये आवश्यक विद्युत अधोसंरचना का निर्माण विद्युत वितरण कम्पनियों से कराना चाहते हैं, परन्तु प्राक्कलन राशि का एकमुश्त भुगतान नहीं कर पाने के कारण नवीन कनेक्शन नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं, योजना अंतर्गत पात्र होंगे। यह योजना केवल व्यक्तिगत आवेदकों और आवेदकों के समूह के लिये लागू होगी। हाउसिंग सोसायटी/ बिल्डर/ कालोनाइजर इस योजना में पात्र नहीं होंगे। योजना में आवेदक या आवेदकों के समूह को निर्धारित राशि का न्यूनतम 25 प्रतिशत आवेदन के साथ एकमुश्त देना होगा। शेष राशि का भुगतान कनेक्शन चालू होने के बाद मासिक बिल के साथ ब्याज सहित किया जा सकेगा। भुगतान अधिकतम दो वर्ष की अवधि में कर सकेंगे। निर्धारित किश्तों एवं मासिक देयकों का भुगतान नहीं किये जाने पर 15 दिवस की सूचना देकर बिजली कनेक्शन काटा जा सकेगा। योजना का लाभ लेने के लिये आवेदक को विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक/वृत्त कार्यालय में आवेदन देना होगा। साथ ही स्टाम्प पेपर पर इस आशय का शपथ पत्र देना होगा कि वह योजना के प्रावधान के अनुसार राशि का भुगतान करेंगे। नवीन कनेक्शनों के लिये आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन देना होगा एवं विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित सर्विस कनेक्शन शुल्क, सुरक्षा निधि आदि भी देय होगा। आवश्यक अधोसंरचना का निर्माण बिजली कम्पनियों द्वारा निर्धारित एसओआर के अनुसार किया जायेगा।

बदमाशों ने महिला का मकान तोड़ा, पुलिस आयुक्त को जांच के निर्देश

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के चार मामलों में संज्ञान लिया

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के चार मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला भोपाल जिले छोला इलाके में एक महिला के घर पर कुछ बदमाशों द्वारा बुलडोजर चलवाने का है। आयोग के संज्ञान में आया है कि, 22 साल पहले शिव नगर में महिला के पति ने मकान खरीदा था, जिसे क्षेत्र के बदमाशों ने मौके पर पहुंच कर पुलिस के संरक्षण में जेसीबी से महिला का मकान तोड़ दिया। इस संबंध में पीड़ित महिला जब पुलिस थाने में शिकायत लेकर पहुंचे, लेकिन पुलिस ने मामले में कोई सुनवाई नहीं की। मामले में आयोग ने पुलिस कमिश्नर को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

इन मामलों में भी जवाब तलब: आयोग ने बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित ग्राम गोंडीपुरा में कुएं में गिरने से एक किसान के 15 साल के बेटे की मृत्यु होने, बैरसिया क्षेत्र में एक आठ साल की बच्ची की सर्पदंश से मृत्यु होने और खजूरी सड़क क्षेत्र में खेत में घास काट रही एक महिला की सर्पदंश से मृत्यु होने की घटना पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

त्योहार मनाने के लिए कई मजदूर चले गए अपने घर

लेटलतीफी: मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का कार्य और भी पिछड़ गया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अगले तीन से चार दिन में महज 25 फीसदी मजदूर ही प्रोजेक्ट साइट पर काम करते मिलेंगे। ऐसे में काम की गति भी बेहद धीमी हो गई और जो समय सीमा तय की, उसमें काम पूरा होते नजर नहीं आ रहा। मेट्रो रेल कारपोरेशन के अफसरों ने बैठक लेकर संबंधित ठेकेदारों का काम पूरा करने लक्ष्य तय किया, लेकिन इन्होंने हाथ खड़े कर दिए। अधूरे निर्माण के कारण पूरी राजधानी में जगह-जगह जाम धूल मिट्टी और रास्ते बंद होने से कई महीनों से जनता परेशानी के दौर से गुजर रही है। त्योहारी सीजन में शहरी विकास से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट के निर्माण की गति बेहद धीमी हो गई। मेट्रो रेल कारपोरेशन के प्रोजेक्ट पर इसका बड़ा असर नजर आ रहा। एमडी ने डिपो से लेकर स्टेशन तक का काम पूरा करने अक्टूबर माह के अंत तक का समय तय किया है, लेकिन काम करने मजदूर ही नहीं है। पहले सप्ताह में ही 40 फीसदी मजदूर अपने घर लौट गए। अब ये दिवाली करके ही लौटेंगे।

2027 में पहले चरण की दो लाइनों का होगा काम: जानकारी के अनुसार 2020 में शुरू हुआ मेट्रो का काम अक्टूबर 2024 तक के चार साल में 6.22 किमी ही पूरा नहीं हो पाया। मेट्रो कारपोरेशन को 2027 में 32 किमी की दो लाइनों को बनाकर ट्रेन दौड़ाने का लक्ष्य दिया हुआ है। ऐसे में अगले तीन साल में 28 किमी लंबी लाइन बनाकर इस पर ट्रेन कैसे दौड़ेगी, बड़ा सवाल है। वहीं दूसरी ओर शहर में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट दिसंबर 2022 में पूरा होना था, लेकिन यह अब तक भी आमजन के लिए शुरू नहीं हो पाया। इसी तरह जीजी फ्लाईओवर को दिसंबर 2023 में पूरा होकर शुरू होना था, लेकिन यह अब तक चालू नहीं हो पाया। कोलार सिक्स लेन रोड भी अब तक नहीं हो पाई है।

यहां हो रही लेटलतीफी

- दिसंबर 2024 तक मेट्रो के 6.22 किमी लंबी प्रायोरिटी कॉरीडोर का काम पूरा करना है। इसमें डिपो का ही 40 फीसदी काम बाकी है।
- आठ मेट्रो स्टेशन में से सिर्फ सुभाष स्टेशन पर ही 100 फीसदी काम हुआ, बाकी में कहीं 40 फीसदी काम हुआ तो कहीं 80 फीसदी काम हुआ है।
- टिकटिंग सिस्टम से लेकर सिग्रलिंग सिस्टम का काम भी 60 फीसदी ही हुआ है।
- अभी अंडरग्राउंड वाटर टैंक से लेकर सिक्युरिटी के अन्य इंतजाम भी अधूरे हैं।
- गणेश मंदिर मेट्रो ओवरब्रिज में ही डीआरएम रोड की ओर स्टील ब्रिज का काम बाकी है। इसकी अभी कसावट ही हो रही है।
- यात्रियों के स्टेशन तक पहुंचने सीढ़ियां व एक्सीलेटर ही नहीं स्थापित हो पाए हैं।

रतन टाटा, समाजसेवी मोतीराम को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

संस्कार विद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संस्कार विद्यालय में उद्योगपति श्री रतन टाटा एवं समाज सेवी श्री मोतीराम वरयानी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। शिक्षक समुदाय एवं विद्यार्थियों द्वारा मौन धारण कर शोक प्रकट करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि श्री रतन टाटा जी एक उद्योगपति के साथ-साथ एक समाज सेवी भी थे, एशिया का सबसे ब?ा कैंसर हॉस्पिटल मुम्बई में उनके द्वारा चलाया जा रहा है।ज मोतीराम वरयानी के बारे में बताते हुए कहा कि वरयानी जी ने भी सेवा के क्षेत्र में बहुत ही सराहनीय काम किया। संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने कहा कि श्री रतन टाटा जी एवं श्री मोतीराम वरयानी ने अपने जीवन को सेवा से संवारा उन्होंने सेवा के क्षेत्र में कई कार्य किये हम भी इन

समाज सेवियों से प्रेरणा लेकर सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़े। कार्यक्रम में नरेश ज्ञानचन्दानी ने कहा कि रतन टाटा के रूप में देश के रतन को खो दिया है। रतन टाटा जी संकट के समय देश के साथ खड़े होकर हमेशा देश को आगे बढ़ाया। मोतीराम वरयानी स्कूलों के बच्चों से प्रेम करते थे एवं सेवा के क्षेत्र में हमेश आगे रहते थे।

निराशा से उबरना है तो अवचेतन मन की शक्तियों को जगाना होगा

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

टैंपल ऑफ़ संबोधि नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन भजन कीर्तन और आरती के अलावा वेदान्त संतलाल साईं का सत्संग हो रहा है। सत्संग सभा में साईंजी ने बताया कि अवचेतन मन शक्ति न केवल हमारे जीवन को दिशा देती है, बल्कि हमें कठिनाइयों, निराशा, और डिप्रेशन जैसी मानसिक स्थितियों से भी उबार सकती है। निराशा और अवसाद (डिप्रेशन) आज के समय में तेजी से फैल रही चुनौतियाँ हैं, लेकिन इसका समाधान हमारे ही भीतर छिपा हुआ है। अवचेतन मन की शक्ति को जाग्रत कर हम इन मानसिक परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। उन्होंने

अवचेतन मन की शक्तियाँ, निराशा और अवचेतन मन का संबंध,अवचेतन मन की शक्ति को जाग्रत करने के तरीके बताए। साईं जी ने कहा, अवचेतन मन के साथ काम करने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका सकारात्मक पुष्टि है। आप जो अपनी ज़िंदगी में चाहते हैं। जैसे ही आप अपनी सफलता, खुशी और शांतिपूर्ण जीवन की कल्पना करते हैं, यह आपके अवचेतन मन में एक गहरा प्रभाव छोड़ता है। उन्होंने कहा कि ध्यान और योग के माध्यम से आप अपने अवचेतन मन की शांति और संतुलन को पुनः प्राप्त कर सकते हैं। जब मन शांत होता है, तो नकारात्मक विचारों की जगह सकारात्मक ऊर्जा भरने लगती है। जीवन को स्वस्थ आदतों से भरने की सीख दी। साईंजी ने कहा कि निराशा और डिप्रेशन से मुक्ति पाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है आत्म-स्वीकृति। सकारात्मक सोच जीवन में सबसे अधिक महत्व है। होता है।

भजन-कीर्तन हवन कल: शनिवार दिनांक 12 अक्टूबर को सुबह 9.30 बजे हवन और साढ़े 10 बजे से भजन कीर्तन एवं 12 बजे आम भंडारा टेम्पल आफ सम्बोधि में होगा।

टैंपल ऑफ संबोधि में नवरात्र में वेदांत संत लाल साईं का सत्संग

मेट्रो एंकर दीवार पर बच्चों ने 'आंखों की रोशनी की हिफाजत' को उतारा

विश्व दृष्टि दिवस: सेवासदन ने किया चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा आज विश्व दृष्टि दिवस के उपलक्ष्य में गांधी नगर एयरपोर्ट रोड पर निर्माणाधीन नये अस्पताल भवन की दीवारों पर नेत्र सुरक्षा जागरूकता विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन अंधत्व नियंत्रण के क्षेत्र में सेवारत अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ सीबीएम और सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में 14 विद्यालय-महाविद्यालयों के 107 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन विद्यार्थियों के 24 समूह बनाए गये थे, जिन्होंने अस्पताल की बाहरी दीवार के भागों पर विगत दो दिन में नेत्र सुरक्षा से संबंधित जानकारी ब?ाने वाले 24 पेन्टिंग्स की छपाई की। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल के सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी तथा अंधत्व नियंत्रण के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अंशुल उपाध्याय अध्यक्ष के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर सेवा सदन की डॉ. प्रेरणा उपाध्याय, डॉ. रश्मि ऑप्टे, प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी, ट्रस्टीगण हीरो ज्ञानचंदानी, राजकुमार मूलचंदानी, सुरेश आवतरामानी, संत

सेवक एल.सी. जनियानी, सेवा सदन के डॉ. हेमन्त सिन्हा, पी.एस. राठौर, कुशल धर्मानी, मनोज धावड़िया और भारती जनियानी विशेष रूप से उपस्थित थे।

बच्चे पुरस्कृत हुए: प्रारंभ में डॉ. प्रभाकर और डॉ. अंशुल सहित उपस्थित पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों द्वारा बनायी गयी पेंटिंग्स का अवलोकन किया। इसमें बी.एस.एस. महाविद्यालय की टीम को 5000 रूपये का प्रथम, मिठी गोबिन्दराम स्कूल को 3500 रूपये का द्वितीय और नवनिध स्कूल को 2500 रूपये का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

बच्चे आंखों से प्यार करें: प्रारंभ में सेवासदन के ट्रस्टी एसी साधवानी ने कहा कि इस वर्ष के विश्व दृष्टि दिवस के आयोजन की थीम ÷बच्चे अपनी आंखों से प्रेम करें÷ रखी गयी है। कार्यक्रम का संचालन भारती जनियानी ने किया। अतिथियों का शॉल एवं स्मृति-चिन्ह से सम्मान किया गया।

सेवासदन की सराहना: डॉ. प्रभाकर तिवारी ने कहा कि सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय नियंत्रण योग्य अंधत्व की रोकथाम में उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। अंशुल उपाध्याय ने कहा कि परिवार में बच्चों की बात को बड़ी अहमियत दी जाती है। समाज में जीवनशैली में बदलाव और मोबाइल, टीवी, लैपटॉप, टेबलेट तथा इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स का उपयोग बढ़ जाने के कारण लोगों का स्क्रीन टाइम काफी बढ़ गया है, जिसका बुरा असर आंखों पर पढ़ने लगा है। डॉ. रश्मि ने कहा कि तीस मिनट के स्क्रीन टाइम के बाद आंखों को तीस सेकण्ड का विश्राम देना जरूरी है। स्क्रीन टाइम बढ़ाने से कम उम्र में ही निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) हो सकता है।

डीडी प्ले स्कूल में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने किया गरबा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

नवयुवक सभा द्वारा संचालित डी. डी. प्ले स्कूल में गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चे गरबा पोशाक , चानिया चोली ,कुर्ता पेजामा कि वेशभूषा में आए। इस गरबा महोत्सव पर बच्चों ने खूब जम कर गुजराती गीतो पर नृत्य किया। बच्चो का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षिकाओं ने भी बच्चों के साथ गरबा नृत्य किया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष विष्णु गेहनी सर, व संरक्षक वासदेव वाधवानी, सचिव सुरेश राजपल ,प्राचार्य ज्योति चौहान , प्रिया धर्मदसानी, विद्यालय की इंचार्ज हेमलता संगतानी व शिक्षिकाए उपस्थित हुए।

ड्राइवर से औकात पूछने वाले आईएएस अब श्योपुर कलेक्टर

विजयपुर विधानसभा उप चुनाव के लिए जमावट से जोड़कर देखे जा रहे तबादले

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शाजापुर कलेक्टर रहते ड्राइवर से उसकी औकात पूछने वाले आईएएस किशोकर कुमार कन्याल को मोहन सरकार ने नौ महीने बाद मैदान में पोस्टिंग दे दी। अब उन्हें श्योपुर जिले का कलेक्टर बनाया है। इसके पहले वह शाजापुर के कलेक्टर थे और जनवरी 2024 में उनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे देशव्यापी हड़ताल के दौरान बातचीत करने पहुंचे ट्रक ड्राइवरों से भिड़ गए थे। तेश में आकर उन्होंने एक ड्राइवर से उसकी औकात पूछ ली थी। तब मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शाजापुर से कन्याल को हटा दिया था। तब से वे वन विभाग में उप सचिव थे। चर्चा है कि इस बीच उन्होंने वनमंत्री रामनिवास रावत से पटरी बैठा ली और उन्हीं के गृह जिले में पोस्टिंग भी पा ली। इस पोस्टिंग के दूसरे राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। यहां कलेक्टर रहे लोकेश कुमार रामचंद्र जांगिड़ को सरकार ने हटाकर निवाड़ी जिले की जिम्मेदारी दी है। लोकेश बेकाक बोलने और काम करने वाले अफसरों में गिने जाते हैं। चूंकि श्योपुर की विजयपुर विधानसभा में नवंबर-दिसंबर में उप चुनाव हो सकते हैं, ऐसे में लोकेश के तबादले पर भी कई चर्चा हैं।

इसके अलावा निवाड़ी कलेक्टर रहे अरुण कुमार विश्वकर्मा को वापस भोपाल बुला लिया है उन्हें राज्य कृषि विपणन बोर्ड में अपर संचालक बनाया है। जबकि पदस्थापना के लिए प्रतीक्षारत सौम्या आनंद को सहायक कलेक्टर शहडोल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में अवर सचिव कार्तिकेय जायसवाल को सहायक कलेक्टर बालाघाट और वन विभाग में अवर सचिव विशाल धाकड़ को धार का सहायक कलेक्टर बनाया है।

दो महीने पहले बदला था श्योपुर एसपी

मोहन सरकार ने श्योपुर से दो महीने पहले 10 अगस्त को एसपी अभिषेक आनंद को हटाकर मंदसौर भेजा था और मऊगंज एसपी वीरेंद्र जैन को श्योपुर एसपी की कमान दी थी। अब कलेक्टर बदला है।

वीरेंद्र जैन
मऊगंज एसपी

किशोर व जांगिड इसलिए भी चर्चा में

हालांकि आईएएस कान्याल केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर रहते केंद्र की प्राथमिकताओं वाले प्रोजेक्ट को प्रमुखता से पूरा करने वाले अफसरों में गिने जाते हैं। बताते हैं कि उन्होंने दिल्ली के पास एक रिंग रोड में आ रही अड़चनों को दूर कर कम समय में यह काम कराया था। वहीं लोकेश कुमार अपने एक वरिष्ठ अधिकारी पर आरोप लगाते हुए वाट्सएप ग्रुप में पोस्ट डाल दी थी और हटाया भी नहीं था।

राज्य निर्वाचन आयोग में वीरा राणा की नियुक्ति अटकी, किसी और को मौका !

भोपाल। मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त वीरा राणा की राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त के पद पर नियुक्ति अटक गई है। किसी दूसरे आईएएस को मौका मिलेगा, ऐसी चर्चा है। राणा 30 सितंबर को मुख्य सचिव के पद से रिटायर हुई है। उसके पहले से चर्चा थी कि उन्हें राज्य निर्वाचन आयोग में आयुक्त बनाया जाएगा। जब सेवानिवृत्त होने वाले दिन नियुक्ति आदेश नहीं निकले तो फिर कयास लगाए जाने लगे कि अब नए मुख्य सचिव अनुराग जैन के कामकाज संभालते ही वीरा राणा को लेकर आदेश हो जाएंगे लेकिन तब भी आदेश नहीं निकले। सूत्रों के मुताबिक वीरा राणा को अब शायद उक्त पद पर नियुक्ति नहीं मिलेगी। बल्कि अब एसीएस गृह एसएन मिश्रा को उक्त् पर पर नियुक्ति दिए जाने की प्रबल संभावनाएं हैं। हालांकि अभी उनके पास गृह विभाग है और अभी उनके रिटायरमेंट में तीन महीने हैं। आमतौर पर उक्त पद पर रिटायर्ड आईएएस को ही नियुक्ति दी जाती है। वहीं दूसरा नाम एसीएस पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मलय श्रीवास्तव का चल रहा है लेकिन वे भी अभी सेवा है। दो अन्य नामों में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग से सेवानिवृत्त पूर्व पदेन सह आयुक्त रवींद्र सिंह व माध्यमिक शिक्षा मंडल में अध्यक्ष रहे केके सिंह का नाम चल रहा है।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 4.50 लाख विद्यार्थियों को मिलेगी साइकिल

इस बार विभागीय बजट में 195 करोड़ रुपए का प्रावधान, प्रक्रिया हुई शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियो के लिए काम की खबर है। इस बार प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 2024-25 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 4 लाख 50 हजार साइकिलें निःशुल्क वितरित की जाएंगी। इसके लिये विभागीय बजट में 195 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। साइकिल वितरण का कार्य इस वर्ष नवम्बर तक पूरा किया जाने के निर्देश जिला अधिकारियों को दिए गए हैं। कुछ जिलों में यह प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। बता दें कि प्रदेश में वर्ष 2023-24 में इस योजना में 4 लाख 7 हजार विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल प्रदाय की गई थी।

इन्हे मिलेगी साइकिल

निःशुल्क साइकिल वितरण योजना में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले विद्यार्थी, जो सरकारी स्कूलों में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में अध्ययनरत हैं तथा वह जिस ग्राम के निवासी हैं, उस ग्राम में शासकीय माध्यमिक और हाई स्कूल संचालित न होने की वजह से विद्यार्थियों को सुविधाजनक तरीके से स्कूल पहुंचने के लिये साइकिल वितरित की जाती हैं। योजना में कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश लेने पर पात्र विद्यार्थी को साइकिल प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में कन्या छात्रावास में अध्ययनरत छात्राएं, जिनकी शाला छात्रावास से 2 किलोमीटर या अधिक दूरी पर है, उन्हें भी निरूशुल्क साइकिल प्रदाय की जा रही है।

पीएमश्री स्कूल नरसिंहपुर में हुआ वितरण

नरसिंहपुर जिले के पीएमश्री एमएलबी स्कूल नरसिंहपुर की 142 छात्राओं को निरूशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। इन छात्राओं में ग्राम डोंगरगांव की छात्रा सोनम गोंड और कक्षा 9वीं की छात्रा अंकिता साहू, ग्राम पांसी की छात्रा शिवानी मोरिया व ग्राम भरवारा की छात्रा मुस्कान लोधी भी शामिल हैं।

मप्र इंटक की कार्यकारिणी पुनर्गठित, 21 पदाधिकारी व 27 कार्यकारिणी सदस्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंडियन नेशनल कांग्रेस (इंटक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद डॉ. जी. संजीवा रेड्डी ने मध्यप्रदेश इंटक की कार्यकारिणी पुनर्गठित की है। उक्त समिति में श्याम सुन्दर यादव (इन्दौर) को अध्यक्ष, राजेन्द्र सिंह नाती (ग्वालियर) को कार्यवाहक अध्यक्ष व बी.डी. गौतम (भोपाल) को महामंत्री नियुक्त किया है इनके अतिरिक्त 3 वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 4 उपाध्यक्ष, 11 सचिव, एक कोषाध्यक्ष तथा 27 कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किए गए हैं। इनमे वरिष्ठ उपाध्यक्ष - रतिराम यादव , के.के. नेमा (भोपाल), एस.एम. पाण्डे (देवास) तथा उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, अर्जुनलाल निमावत , शंकर सिंह तिवारी , राहुल त्रिपाठी हैं। इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि मध्यप्रदेश में संगठित व असंगठित क्षेत्र के कामगारों की विशाल संख्या को द्रष्टिगत रखते हुए उन्हें संगठित कर मजदूर आन्दोलन को सशक्त बनाकर मजदूरों के हक की लडाई सक्रियता से लडने की आवश्यकता है। अतः प्रदेश अध्यक्ष के स्वास्थय की स्थिति को देखते हुए तथा उत्पन्न परिस्थितियों पर विचार कर मध्यप्रदेश इंटक की वर्तमान कार्यकारिणी को भंग कर मध्यप्रदेश इंटक की तदर्थ समिति नियुक्त की जाती है।

दैवेभो के श्रेणी परिवर्तन आदेश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आरजीपीवी के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों द्वारा किए गए आंदोलन के बाद प्रशासन ने श्रेणी परिवर्तन करते हुए अकुशल को अर्द्ध कुशल एवं अर्द्ध कुशल को कुशल श्रमिक करने के आदेश प्रशासन ने जारी कर दिये है। कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि सितंबर माह में स्थाई कर्मियों , दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने भूख हड़ताल आंदोलन करके प्रशासन के समक्ष 8 सूत्रीय मांगों को रखा था जिसमें से आरजीपीवी प्रशासन ने चार सूत्रीय मांगों को मंजूर करते हुए शीघ्र आदेश जारी करने का आश्वासन दिया था अब प्रशासन ने पहली मांग के आदेश जारी कर दिए गए हैं अब तीन मांगे और बची है जिस पर 25 नवंबर तक आदेश जारी करने का लिखित समझौता आरजीवी प्रशासन ने किया है ।

प्रवेश से स्कॉलरशिप तक हर जगह ये होगा पहचान

वन नेशन वन आइडी: नौवीं से 12 तक हर छात्र का स्पेशल नंबर

उच्च शिक्षा में हो चुका काम, प्राइमरी में चल रही तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी सहित प्रदेश के हर विद्यार्थी को एक अलग पहचान मिलेगी। इस आईडी में विद्यार्थी का पूरा रिकॉर्ड होगा। कक्षा नौंवी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को एक यूनिक नंबर देने प्रदेश में काम शुरू हो गया है। जिला शिक्षा अधिकारियों को इसका नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रदेश में 94 हजार स्कूल हैं। कक्षा पहली से लेकर 12वीं तक 1 करोड़ 39 बच्चे दर्ज हैं। इनमें से करीब 65 लाख विद्यार्थी कक्षा नौंवी से बारहवीं में दर्ज हैं। भारत सरकार की योजना के तहत देशभर में इस पर काम चल रहा है। इसे ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक एकाउंट रजिस्ट्री (अपर) कहा जा रहा है। यह आईडी

आधार नंबर की तरह कार्य होगी। इसमें विद्यार्थियों की पढ़ाई का पूरा रिकॉर्ड होगा। इसे डिजिटल वर्जन में जमा किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इसकी पहल हुई है। वन नेशन, वन स्टूडेंट के रूप में भी देखा जा सकता है। लोक शिक्षण संचालनालय ने इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारियों को नोडल बनाया है। कक्षा नौंवी से लेकर 12वीं तक किसी विद्यार्थी ने किन स्कूलों में पढ़ाई की, कितने नंबर आए, उपलब्धियां क्या रहीं, रिपोर्ट कार्ड सहित पूरी डिटेल होगी। इन सभी आंकड़ों तक डिजीलॉकर के जरिए सरलता से पहुंचा जा सकेगा। प्राइमरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों का भी डाटा तैयार हो रहा है। राज्य शिक्षा केन्द्र इस पर काम कर रहा है। यहां भी हर बच्चे को अलग-अलग नंबर देने पर काम हो रहा है। इससे पहले उच्च शिक्षा में डिजीलॉकर की सुविधा स्टूडेंट को मिल चुकी है। जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार के मुताबिक इस पर काम हो रहा है। शासन से निर्देशों के तहत ऑनलाइन डाटा जुटाया जा रहा है।

मेट्रो एंकर पीएमश्री स्कूल में स्टार्स प्रोजेक्ट अंतर्गत आयोजित कौशल प्रदर्शनी का आयोजन किया

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ हमें पारम्परिक कौशल से भी जुड़े रहना हैं: राज्य मंत्री गौर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के बरखेड़ा स्थित पीएमश्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमा विद्यालय में स्टार्स (स्ट्रैंथनिंग टीचिंग लर्निंग एंड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स) प्रोजेक्ट अंतर्गत आयोजित कौशल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि युवा पड़-लिखकर नौकरी माँगने के स्थान पर नौकरी देने वाले बनें। उन्होने कहा कि नई शिक्षा नीति से पहले केवल पड़ने पर जोर दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को नई शिक्षा नीति दी और नई शिक्षा नीति में पठन-पाठन के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावसायिक ज्ञान भी दिया जा रहा है। नई शिक्षा नीति में बच्चों के कौशल विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। पड़ाई के साथ व्यवहारिक और वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त कर नई पीढ़ी अत्म-विश्वास के साथ आगे बड़ेगी और अत्म-निर्भर बनेगी। यह पीढ़ी नौकरी मांगने वाली नहीं, नौकरी और रोजगार देने वाली बनेगी। राज्य मंत्री गौर ने कहा कि आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के साथ हमें पारम्परिक कौशल से भी जुड़े रहना है। उन्होंने कहा कि विमुक्त, घुमंतु और अर्द्ध-घुमंतु जातियों के विभाग के मंत्री के रूप में दायित्वों के निर्वहन के दौरान उन्हें इन जातियों से जुड़े विभिन्न कौशल की जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि इन जातियों के परम्परागत कौशल को अधुनिक ज्ञान से जोड़कर संरक्षित करने और विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें पारम्परिक कौशल को आधुनिक ज्ञान के साथ जोड़कर आगे बड़ना है।

स्कूलों में व्यावसायिक पाठयक्रमों को शुरू

राज्य मंत्री गौर ने कहा कि स्कूलों में व्यावसायिक पाठयक्रमों को शुरू किया गया है। इसमें दैनिक दिनचर्या में काम आने वाली आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बच्चों को पड़ाया और सिखाया जा रहा है। यह बच्चे आत्म-निर्भर बनेंगे और आत्म-निर्भर युवा पीड़ी आत्म-निर्भर राष्ट्र के निर्माण में योगदान देगी।

विद्यार्थियों और शिक्षकों ने तैयार किए मॉडल

राज्य मंत्री गौर ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा संचालित जिले के विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सीखी गई स्किल पर आधारित मॉडल और चार्ट्स प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए हैं। वर्षा, मौसम विज्ञान, कृषि, बिजली, सिटी प्लानिंग, मशीनरी, इलेक्ट्रिक उत्पादन, इलेक्ट्रिक ट्रांसमिशन, कंप्यूटर हार्डवेयर, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और ऐसे अनेकों दैनिक उपयोग में आने वाले विभिन्न आवश्यकताओं पर आधारित मॉडल को प्रदर्शनी में प्रस्तुत किया गया है। विद्यार्थियों और उनके शिक्षकों द्वारा तैयार किये गये मॉडल अद्भुत हैं।

संपादकीय

कारोबार जगत के रतन

देश में कारोबार तो कई लोग कर रहे हैं और उनके नाम भी बहुत बड़े हैं लेकिन विश्वसनीयता बहुत कम लोगों में हैं। इनमें भी सबसे विश्वसनीय कारोबारी रतन टाटा का नाम सबसे ऊपर बना रहेगा,जिन्होंने 86 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। मौजूदा दौर में उनके निधन के बाद उनके कारोबारी जगत में उस स्थान की पूर्ति असंभव लगती है। क्योंकि शीर्ष उद्योगपतियों में से एक होने के साथ-साथ संवेदनशील और परोपकारी इंसान भी थे। उन्होंने असफलता के दौर से गुजर कर सफलता के कई नए अध्याय लिखे और अपनी विलक्षण दूरदृष्टि से टाटा समूह के कारोबार को सहेजा और आगे बढ़ाया। उद्योग जगत के एक पुरोधा के समांतर एक संवेदनशील इंसान के रूप में भी अपनी पहचान बनाने वाले रतन टाटा कारोबार की नब्ज पहचानते थे। उन्हें एक मायने में स्वप्नद्रष्टा कारोबारी माना जा सकता है। उनके पास कई सपने थे और जब वे उन्हें साकार करने की कोशिश में जुट जाते, तो फिर पीछे नहीं हटते थे।, वे नाकामियों से हार मानने वाले व्यक्ति नहीं थे। उन्होंने नफा-नुकसान की परवाह किए बिना खामोशी से अपना काम किया। एक लाख रुपए वाली नैनो कार उन सपनों में से है, जिसके तहत उनकी इच्छा थी कि निम्न आय वर्ग के पास भी अपनी कार हो। उन्होंने विमानन कंपनी एयर इंडिया को नए पंख दिए। इसके अलावा, सूचना क्रांति सहित रतन टाटा की अन्य पहलकदमियों ने मध्यवर्ग से लेकर गरीब तबकों के सपनों में रंग भरे। उन्होंने बोर्ड रूम की बैठकों से आगे निकल कर मानवीय मूल्यों को लेकर प्रतिबद्धता और अपनी विनम्रता से एक गहरी छाप छोड़ी। उनकी नेकदिली और सादगी सभी का ध्यान आकृष्ट करती थी। पूर्वजों से मिली विरासत को उन्होंने एक नई ऊंचाई दी। रतन टाटा ने मार्च 1991 से लेकर दिसंबर 2012 तक टाटा समूह की अगुआई की। उन्होंने जेआरडी टाटा के अवकाश ग्रहण के बाद समूह के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। इस पद पर वे बाईस साल तक रहे और अपने कुशल नेतृत्व में उन्होंने पूरी दुनिया में टाटा समूह का कारोबार फैलाया। आज विश्व के सौ देशों में समूह का कारोबार फैला है तो इसके पीछे उनका ईमानदार नेतृत्व, व्यावसायिक दूरदर्शिता और सूझबूझ है। वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा दान करते रहे। जो समाज से लिया, उसे लौटाने में उनका विश्वास था। उनकी सादगी के अनेक किस्से मशहूर हैं और उन्हें वक्त की पाबंदी के लिए भी जाना जाता है। अपनी सहजता-सरलता और जीवन मूल्यों के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। जहां तक कारोबार की बात है त टाटा समूह की आय व लाभ का एक बडा हिस्सा अब भी तीन बड़ी कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , टाटा मोटर्स और टाटा स्टील पर निर्भर है लेकिन आर्थिक उदारीकरण के दौर में विरासत संभालने वाले रतन टाटा ने इस विशालकाय समूह को एक दूरदर्शी और एकजुट समूह बनाया। लाइसेंस-परमिट राज में फलने-फूलने वाले अन्य प्रमुख उद्योगपतियों मसलन मोदी, सिंघानिया, रुइया और बिड़ला परिवार के कुछ सदस्यों का जहां पतन हो गया, वहीं टाटा समूह का लगातार मजबूत बने रहना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। नेतृत्व संभालने के पहले नेल्को में अपने कार्यकाल के दौरान रतन टाटा ने कोई उल्लेखनीय कारोबारी समझ नहीं दिखाई थी। कार्यकाल के आरंभ में ही उन्हें कई अग्नि परीक्षाओं से गुजरना पड़ा। समूह के कद्दावर लोगों ने उनका विरोध किया और टाटा मोटर्स की पुणे इकाई में सबसे बड़ी हड़ताल आरंभ हुई। उन्होंने दोनों चुनौतियों से निपटने में बहुत अधिक कौशल दिखाने के बजाय अपना ध्यान समूह के तत्कालीन कारोबारों को दुरुस्त और मजबूत बनाने में लगाया। आज उनके निधन के बाद कारोबारी जगत में वैसी संवेदनशीलता,पारदर्शिता को हर कारोबारी में खोजा जाएगा।

हम लोग इंसान हैं, कोई कंप्यूटर नहीं इसलिए जीवन का मज़ा लीजिए। इसे हमेशा गंभीर मत बनाइए।

– रतन टाटा

आज का इतिहास

- 1492: क्रिस्टोफर कोलंबस भारत समझकर अमेरिका के पास बहामास द्वीप समूह में उतरा।
- 1711: कैरेल छठी हैब्सबर्ग रोमन कैथोलिक सम्राट का ताज पहनाया गया।
- 1776: ब्रिटिश ब्रिगेड ने ब्रॉन्क्स में थोरग नेकस रोड की सुरक्षा करना शुरू कर दिया।
- 1792: अमेरिका की खोज करने वाले क्रिस्टोफर कोलम्बस को मेरीलैंड के बाल्टीमोर में पहला स्मारक समर्पित किया गया।
- 1798: फ्रांस के कब्जे वाले बोएरेनक्रिज के खिलाफ फ्लेमिश विद्रोह शुरू हुआ।
- 1799: जैनने गेनेविएवे लबरोस्से 900 मीटर की ऊंचाई से एक पैराशूट द्वारा एक गुब्बारा से कूदने वाली पहली महिला बनी।
- 1815: नेपल्स के पूर्व राजा जोआचिम मूरत को मौत की सजा सुनाई गयी।
- 1822: ब्राजील के पेड्रो-प्रथम को ब्राजील का संवैधानिक सम्राट घोषित किया गया।
- 1847: जर्मन आविष्कारक और उद्योगपति वर्नर वॉन् सीमेंस ने सीमेंस एजी और हल्स्के को की स्थापना की।
- 1850: पहली महिला चिकित्सा विद्यालय (महिला मेडिकल कॉलेज ऑफ पेन्स) खोला गया।
- 1854: लिंकन यूनिवर्सिटी की आश्मुन संस्थान के रूप में स्थापना की गयी।
- 1860: ब्रिटेन और फ्रांस की सेना ने चीन की राजधानी बीजिंग पर कब्जा किया।
- 1871: ब्रिटिश सरकार ने क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट लागू किया गया जिसके तहत 160 स्थानीय समुदायों को अपराधी जाति घोषित किया गया।
- 1879: ब्रिटिश सैनिकों ने काबुल और अफगानिस्तान पर कब्जा किया।
- 1898: मतीउर में पहली नगर परिषद की स्थापना।
- 1901: अमरीकी राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट ने राष्ट्रपति भवन का नाम एक्जीक्यूटिव मेनसन से बदल कर व्हाइट हाउस कर दिया।
- 1910: जॉन डी ने न्यूयॉर्क में रॉकफेलर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च का अपना पहला 75 बेड का अस्पताल खोला।

निशाना

हम भी करें प्रहार !

- कृष्णेन्द्र राय

दो हमको अधिकार ।
लड़नी और लड़ाई ।।
करते आए, करना है ।
आप की भलाई ।।
दे दो इतनी सीटें ।
हम भी करें प्रहार ।।
और प्यार बरसा कर ।
पहनाओ फिर हार ।।
डाल रहे वो बाधा ।
करते जो भी काम ।।
वादा है निभाया ।
किए जो तमाम ।।
ना रूकना है हमको ।
यूं ही चलते जाना ।।
भले पूर्व में हमने ।
है भरा हर्जाना ।।

लोकनायक का चिंतन मौजूदा दौर में भी प्रासंगिक

■ डॉ. रामजीलाल

लोकनायक जयप्रकाश नारायण का भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन तथा स्वतंत्र भारत के इतिहास में खास स्थान है वहीं समाजवादी विचारक होने के नाते भी उनका योगदान विशेष है। दरअसल, प्रमुख समाजवादी नेताओं में शामिल जयप्रकाश नारायण की भूमिका अद्वितीय है। बिहार के एक गांव सिताब दियारा में 11 अक्तूबर 1902 को जन्मे जयप्रकाश नारायण ने प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव में ग्रहण की और मैट्रिक एवं इंटर की पढ़ाई पटना में की। महात्मा गांधी के प्रभाव के कारण उन्होंने पढ़ाई का परित्याग करके असहयोग आंदोलन में भाग लिया। फिर साल 1922-1929 तक अमेरिका में उच्चतर शिक्षा ग्रहण की। अमेरिका में रहते हुए उन्होंने कार्ल मार्क्स, लेनिन तथा भारतीय साम्यवादी चिंतक एमएन राय के विचारों का गहन अध्ययन किया और वे साम्यवादी बन गए। जयप्रकाश नारायण का विचार था कि राष्ट्रीय राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक समानता न्याय एवं गरिमापूर्ण जीवन के लिए आवश्यक है। परंतु पूर्व सोवियत संघ (अब रूस) में साम्यवादी पार्टी की तानाशाही, भारतीय साम्यवादी दल के दृष्टिकोण तथा भारतीय परिस्थितियों के कारण जयप्रकाश कट्टर साम्यवादी नहीं बन सके। इसमें गांधीजी का प्रभाव भी एक वजह थी। राष्ट्रीयता की भावना के कारण वे साम्यवाद से विमुख हो गए।

वर्ष 1929 में अमेरिका से भारत वापस लौटे तो जवाहरलाल नेहरू के निमंत्रण पर कांग्रेस पार्टी में सम्मिलित हो गए। वे इलाहाबाद स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी की श्रमिक गतिविधियों का संचालन करने लगे। वर्ष 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया। उन्हें गिरफ्तार करके एक वर्ष कठोर कारावास का दंड दिया गया। इस दौरान नासिक जेल में उनकी मुलाकात तत्कालीन युवा समाजवादियों-अच्युत पटवर्धन, अशोक मेहता, मीनू मसानी से हुई। इसी के चलते वर्ष 1934 में जेल से रिहा होने के बाद कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना में जयप्रकाश नारायण की भूमिका अति महत्वपूर्ण रही। उन्हें इस पार्टी का संस्थापक महासचिव बनाया गया। कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का लक्ष्य शोषणमुक्त समाज की स्थापना करना था। इन्होंने आर्थिक-सामाजिक पुनर्निर्माण के सिद्धांत का समर्थन किया तथा पूंजीवाद, उदारवाद का विरोध किया।

भारत में साम्राज्यवादी शासन को समाप्त करने के लिए जयप्रकाश नारायण ने अहिंसात्मक, हिंसात्मक एवं क्रांतिकारी साधनों के प्रयोग पर बल दिया। वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण अपने 5 साथियों सहित हजारीबाग जेल से भागने में सफल हो गए। ब्रिटिश साम्राज्यवादी शासन को समाप्त करने के लिए इन्होंने 'भूमिगत गोरिल्ला आंदोलन' चलाने के लिए आजाद दस्तों की स्थापना की। इसी क्रम में जयप्रकाश नारायण को 18 सितंबर, 1943 को लाहौर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया और केंद्रीय जेल लाहौर में 50 दिन तक अमानवीय यातनाएं सहीं। अप्रैल, 1946 में जेल से रिहा होने के पश्चात जयप्रकाश नारायण ने 'जन क्रांति के सिद्धांत' का प्रतिपादन किया।

जयप्रकाश नारायण त्याग की मूर्ति थे। उन्होंने स्वतंत्र भारत में कोई भी सरकारी पद ग्रहण नहीं किया। वर्ष 1954 में जयप्रकाश नारायण राजनीति का त्याग करके सर्वोदय आंदोलन में सम्मिलित हो गए। साल 1974 तक जयप्रकाश नारायण सर्वोदयवादी रहे। परंतु राजनीति एवं समाज में व्यापक स्तर पर फैले भ्रष्टाचार, गरीबी, एवं सत्ता संघर्ष की राजनीति के बोलबाले के कारण जयप्रकाश नारायण पुनः सक्रिय राजनीति में लौट आए और यूथ फॉर डेमोक्रेसी संस्था स्थापित करके छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया।

पांच जून, 1974 को पटना में एक विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने संपूर्ण क्रांति के सिद्धांत का प्रतिपादन किया जिसे विद्यार्थियों के साथ-साथ भारत के विपक्षी दलों का भी समर्थन प्राप्त था। संपूर्ण क्रांति को कुचलने के लिए इंदिरा गांधी की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा 25 जून 1975 की मध्यरात्रि आपातकाल की घोषणा की गई। आंतरिक सुरक्षा कानून (मीसा) के तहत राजनीतिक विरोधियों की गिरफ्तारी की गई जिनमें जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, जॉर्ज फ़र्नांडिस, घनश्याम तिवाड़ी, लालकृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी भी शामिल थे। हजारों लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया गया, प्रेस पर प्रतिबंध लगा दिए और नागरिक अधिकार निलंबित कर दिये। आपातकाल 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 यानी 21 महीने तक लागू रहा। 18 जनवरी, 1977 को राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा भंग कर दी गई और छठी लोकसभा के लिए 16-20 मार्च तक चुनाव हुए। राष्ट्रपति ने 23 मार्च को आपातकाल समाप्त करने की घोषणा कर दी। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की सीटें 350 से घटकर 153 रह गई। इंदिरा गांधी सहित कांग्रेस के दिग्गज नेता चुनाव हार गये।

भारत में साम्राज्यवादी शासन को समाप्त करने के लिए जयप्रकाश नारायण ने अहिंसात्मक, हिंसात्मक एवं क्रांतिकारी साधनों के प्रयोग पर बल दिया। वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जयप्रकाश नारायण अपने 5 साथियों सहित हजारीबाग जेल से भागने में सफल हो गए। ब्रिटिश साम्राज्यवादी शासन को समाप्त करने के लिए इन्होंने 'भूमिगत गोरिल्ला आंदोलन' चलाने के लिए आजाद दस्तों की स्थापना की। इसी क्रम में जयप्रकाश नारायण को 18 सितंबर, 1943 को लाहौर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया और केंद्रीय जेल लाहौर में 50 दिन तक अमानवीय यातनाएं सहीं। अप्रैल, 1946 में जेल से रिहा होने के पश्चात जयप्रकाश नारायण ने 'जन क्रांति के सिद्धांत' का प्रतिपादन किया।

जयप्रकाश नारायण के प्रयासों से नव निर्मित जनता पार्टी के विभिन्न घटकों में संतुलन स्थापित हुआ और मोरारजी देसाई को प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। जयप्रकाश नारायण लोकनायक व सम्राट निर्माता बन गए। आजादी के लगभग तीस वर्ष बाद केंद्र में गैर-कांग्रेसी सरकार बनी। भारतीय राजनीति में यह युगांतरकारी मोड़ था। 8 अक्तूबर, 1979 को खराब स्वास्थ्य के कारण जयप्रकाश नारायण स्वर्ग सिधार गए।आर्थिक असमानता, महंगाई, बेरोजगारी एवं सरकारों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग की चुनौतियों के चलते लोकनायक जयप्रकाश नारायण के चिंतन की प्रासंगिकता आज भी है।

-साभार

जब फोर्ट से लिया था बदला...

टाटा ग्रुप के अभिभावक रतन टाटा को अब नहीं रहे। उन्होंने 86 साल की उम्र में कल रात ही अंतिम सांस ली है। ऐसे वक्त में याद आती है उनकी वो दास्तां जबकि फोर्ड (Ford) जैसी विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनी से अपमान का भरपूर बदला लिया था। आपको पता ही होगा कि टाटा मोटर्स ने साल 2008 के जून महीने में फोर्ड से लग्जरी कार के दो ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर खरीदा था। कुछ साल पहले बिरला प्रिसिजन टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन वेदांत बिड़ला (Vedant Birla, Chairman of Birla Precision Technologies) ने ट्विटर पर एक दास्तां सुनाई थी। वह दास्तां थी फोर्ड से रतन टाटा के बदले की कहानी। उनके मुताबिक यह बात साल 1998 की है। तब टाटा मोटर्स (Tata Motors) ने भारत की पहली स्वदेशी कार टाटा इंडिका को लॉन्च किया था। टाटा इंडिका रतन टाटा का एक ड्रीम प्रोजेक्ट था। हालांकि, इस कार को उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिली। इसकी वजह कंपनी काफी घाटे में चली गई। कारों की कम बिक्री के कारण टाटा मोटर्स अपने कार कारोबार को एक साल के भीतर ही बेचना चाहती थी। इसके लिए टाटा ने 1999 में अमेरिका की बड़ी कार निर्माता कंपनी फोर्ड के साथ बात करने का फैसला किया। बातचीत के लिए अमेरिका गए थे रतन इस सौदे को परवान चढ़ाने के लिए रतन टाटा अपनी टीम के साथ बिल फोर्ड से मिलने के लिए अमेरिका गए थे। बिल फोर्ड उस समय फोर्ड के चेयरमैन थे। दोनों कंपनियों के बीच एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग के दौरान बिल फोर्ड ने रतन टाटा को एक तरह से ÷अपमानित÷ किया था। बिल ने रतन टाटा से कहा था कि उन्हें कार व्यवसाय में कभी उतरना ही नहीं चाहिए था। कहा जाता है कि बिल फोर्ड ने यहां तक कह दिया था कि तुमने पैसेंजर कार डिवीजन क्यों शुरू किया? तुम इसके बारे में बिल्कुल कुछ नहीं जानते। उन्होंने कहा कि अगर मैं ये सौदा करता हूं तो तुम पर अहसान करूंगा। इसके बाद दोनों कंपनियों के बीच बातचीत टूट गई। इस बारे में आगे कोई सौदा नहीं हुआ। इसके बाद रतन टाटा ने इंडिका की प्रोडक्शन यूनिट को नहीं बेचने का फैसला किया। इसके बाद क्या हुआ

इसके बाद जो हुआ वह बिजनेस की दुनिया में बड़ी घटनाओं में से एक है। 9 साल बाद ही टाटा के लिए चीजें बदल गई थीं। जबकि, फोर्ड सन 2008 की 'मंदी'के बाद दिवालिया होने के कगार पर थी। इसके बाद रतन टाटा ने फोर्ड पोर्टफोलियो के दो पॉपुलर ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर खरीदने की पेशकश की थी। जून 2008 में टाटा ने फोर्ड से जगुआर और लैंड रोवर को 2.3 बिलियन डॉलर में खरीद लिया। कहा जाता है कि फोर्ड के चेयरमैन बिल फोर्ड ने टाटा को धन्यवाद देते हुए कहा था कि आप इन्हें खरीदकर हम पर एक बड़ा उपकार कर रहे हैं। इसके बाद टाटा ने जेएलआर की बिजनेस को प्रॉफिट में बदल दिया।

भारत में भी फोर्ड की फैक्ट्री खरीदी

इसके बाद साल 2022 में फोर्ड ने भारतीय बाजार से निकलने का फैसला किया। उस समय फोर्ड की भारत में कर बनाने की दो फैक्ट्री थी। एक चेन्नई में जबकि दूसरी फैक्ट्री गुजरात के साणंद में। उस समय भी फोर्ड के साणंद प्लांट को खरीदने के लिए टाटा मोटर्स ही आगे आई थी। टाटा मोटर्स ने अपनी एक सब्सिडियरी कंपनी के जरिये फोर्ड इंडिया के साणंद संयंत्र का अधिग्रहण जनवरी 2023 में पूरा किया था। साल 2022 के अगस्त में ही टाटा मोटर्स ने घोषणा की थी कि उसकी इकाई टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लि. (टीपीईएमएल) फोर्ड इंडिया के गुजरात के साणंद संयंत्र का 725.7 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करेगी।

-साभार

मेहरानगढ़ किला

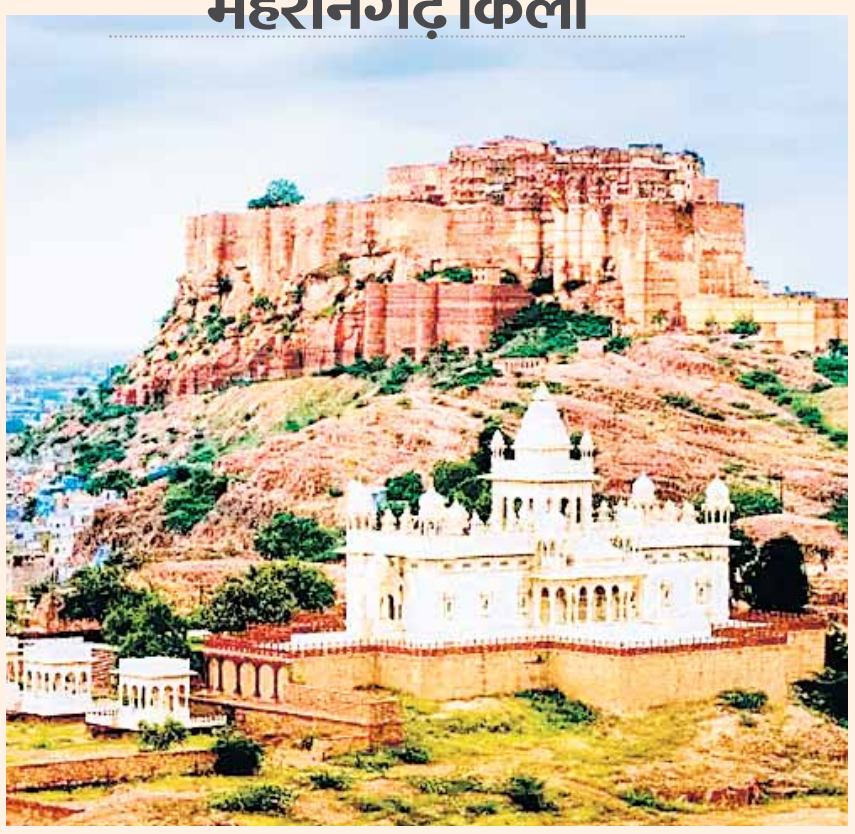

मेहरानगढ़ किला भारत के सबसे बड़े किलों में से एक है। यह किला जोधपुर शहर में स्थित है। इस शहर को ब्लू सिटी भी कहा जाता है। जोधपुर में मेहरानगढ़ किला ऊंची पहाड़ी पर बना हुआ है। ऊंचाई पर स्थित होने की वजह से यह किला दूर से ही नजर आता है। मेहरानगढ़ किला करीब 1200 एकड़ के क्षेत्र में बना हुआ है। किले की दीवार करीब 10 किमी के एरिया में फैली हुई हैं। यह किला 410 फीट की ऊंचाई पर बना है। मेहरानगढ़ किले की चौड़ाई लगभग 500 मीटरहै और इसकी दीवारों की ऊंचाई 120 फीट है।

- साभार

रेंजर गई लंबी छुट्टी पर, हड़ताल का हुआ समापन

वन विभाग के कर्मचारियों के दूसरे दिन की हड़ताल को पूरे जिले के वन कर्मियों ने दिया अपना समर्थन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

वन परिक्षेत्र के सिवनी मालवा रेंज में पदस्थ वनरक्षक की असमय हुई 2 अक्टूबर की मौत के बाद से पूरे वनकर्मी और डिप्टी रेंजर में काफी रोस रेंजर के खिलाफ देख.ने को मिला। लगभग 10 दिनों से चली आ रही वन कर्मियों की रेंजर वंदना महतो को सिवनी मालवा रेंज से हटाने की लड़ाई पर फिलहाल अभी विराम लग गया है क्योंकि रेंजर को उच्च अधिकारियों के आदेश पर एक लंबी छुट्टी दे दी गई है और सिवनी मालवा रेंज का चार्ज बानापुरा के वन परिक्षेत्र अधिकारी को सौंपा गया है।

वन विभाग में पदस्थ अपने साथी कर्मचारी मंगल पांडे की मौत के बाद से ही मैडम के खिलाफ कर्मचारियों में आक्रोश था। और बुधबार से विरोध का मेंर्चा खोलतें हुऐ वन विभाग के सभी कर्मचारी और अधिकारी अनिश्चितकालिन हड़ताल पर चले गए और रेंज ऑफिस के सामने ही धरने पर बैठ गए थे आपको बता दें कि मंगल बार के दिन लगभग 31 कर्मचारी और अधिकारियों ने अपना-अपना बस्ता सिवनी मालवा वन विभाग के कार्यालय में जमा कर दिया था। वन विभाग के जिला स्तर के अधिकारियों ने मंगलवार तक आश्वासन दिया था कि सिवनी मालवा रेंजर पर जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। मजबूरन में कर्मचारियों को अनिश्चितकालीन के लिए हड़ताल पर जाना पड़ा। हड़ताल के पहले ही दिन वन विभाग के धरना प्रदर्शन पर पटवारी संघ जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह सोलंकी ने पहुंच कर अपना समर्थन दिया था वहीं सचिव संघ, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिला अधक्ष उमेश सिंह जाट और वरिष्ठ किसान नेता जगदीश पाटील ने भी अपना समर्थन दिया था। हड़ताल के दूसरे दिन नर्मदा पुरम जिले के बनखेड़ी सोहागपुर बाबई पिपरिया पचमढ़ी केसला सहित पूरे जिले के कर्मचारियों ने भी सिवनी मालवा में वन कर्मियों की चल रही हड़ताल का समर्थन देकर धरना स्थल पर रेंजर को हटाने के लिए समर्थन किया था दिन भर चले रेंजर के खिलाफ नारेबाजी और आंदोलन के बाद जिले से शाम को चार पांच बजे के आसपास वन विभाग के आला अधिकारियों के आदेश जारी हुआ जिसमें सिवनी मालवा रेंजर वंदना महतो को एक लंबी छुट्टी पर भेजने का फरमान जारी किया गया। और उनकी जगह पर उनका चार्ज बनापूरा रेंजर को दिए जाने की बात उसमें लिखी हुई है फिलहाल रेंजर की रेंज में तैनाती नहीं होने के कारण वनकर्मियों ने अपनी हड़ताल को स्थगित कर दी गई है लेकिन अभी भी संशय की स्थिति यह बनी हुई है जिसे जिले के आला अधिकारी स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि क्या एक लंबी छुट्टी पर से वापस आने पर रेंजर का स्थानांतरण कहीं और होता है या यहीं पर छुट्टी के बाद इनका चार्ज दिया जाता है दोनों ही स्थिति में अभी असमंजस है।वहीं कर्मचारियों का कहना है कि फिलहाल हमने हमारी हड़ताल को स्थगित कर दिया है अगर रेंजर को नहीं हटाया है तो हमें मजबूरन में फिर से हड़ताल पर जाना पड़ेगा।

वन विभाग के कर्मचारीओ ने बताया की हम विगत तीन सालों से रेंजर की प्रताड़ना से काफी आहत हुए हैं। हमने सामूहिक रूप से 4/6/2023 को भी रेंजर के खिलाफ मोर्चा खोला था और हमारे वरिष्ठ अधिकारियों को उनकी प्रताड़ना से तंग आकर ज्ञापन भी सोपा था जिसमें उनको हटाने की मांग रखी थी, लेकिन मैडम की लंबी पहुंच होने के कारण बड़े अधिकारी भी इस मामले में हाथ डालने से बचते रहे।

हाई स्कूल पढ़ाने वाले शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रारंभ, बेस्ट ऑफ फाइव पद्धति हुई समाप्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

लोक शिक्षण संचालनालय एवं शासन के निर्देशानुसार इस वर्ष बेस्ट फाइव पद्धति समाप्त हो गई है तथा अब सभी विद्यार्थियों को सभी विषयों में पास होना आवश्यक होगा। शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए हाई स्कूल अंग्रेजी के शिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के तत्वाधान में शासकीय एस.एन.जी. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गत दिवस किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी विषय में माध्यमिक शिक्षकों को आने वाली भाषा संबंधी समस्याओं को बच्चों को आसान एवं सरल विधियों से सिखाने हेतु प्रशिक्षित करने के साथ साथ शिक्षकों का उन्मुखीकरण करना था। प्रशिक्षण में नर्मदापुरम के सभी विकासखंड से आए अंग्रेजी के 113 प्रतिभागी शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। यह प्रशिक्षण अंग्रेजी के मास्टर ट्रेनर किशोर काटकर एवं श्रीमती वैशाली सोनी द्वारा विभिन्न सत्रों में दिया गया। प्रशिक्षण में अंग्रेजी भाषा की त्रैमासिक मासिक परीक्षा संबंधी बच्चों की तैयारी में आने वाली विभिन्न समस्याओं का समाधान किया गया।

इस तरह के एक दिवसीय शैक्षणिक गुणवत्ता प्रशिक्षण आगामी 3 माह तक आयोजित किए जायेंगे। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जिला सहायक परियोजना अधिकारी राजेश गुप्ता, ए.पी.सी. विनोद तिवारी एवं जिला आई टी सेल समन्वयक सुनील सायलवार एवं सभी हाई स्कूल में अंग्रेजी पढ़ने वाले शिक्षक उपस्थित थे।

नरवाई में आग न लगाएं, सुपर सीडर मशीन का बैहराखेड़ी में किया गया प्रदर्शन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

सहायक कृषि यंत्री पवारखेडा नर्मदापुरम ने बताया कि गुरूवार को कृषि अभियांत्रिकी पवारखेडा नर्मदापुरम् द्वारा नरवाई प्रबंधन हेतु नरवाई में कृषक आग न लगाये एवं मशीनों के माध्यम से नरवाई का समाधान करें, इस हेतु सुपर सीडर मशीन का ग्राम-बेहराखेड़ी, कान्द्राखेड़ी, पालनपुर, वि.ख.- नर्मदापुरम् में प्रदर्शन किया गया।

मक्का के खेत में मक्का तोड़ने के बाद खड़ी फसल में सुपर-सीडर से सीधे मशीन चलाकर कृषकों को प्रदर्शन दिखाया गया। जिसमें मक्का के खड़े पेड़ बारीक कर खेत में मिलाकर सीधे बोनी कार्य किया जाता है। जिससे नरवाई को जलाने की आवश्यकता नही होती एवं कृषक की लागत कम होती है, साथ ही समय पर खेती का कार्य होता है, जिससे उत्पादन बढ़ता है। काफी संख्या में कृषकों ने प्रदर्शन देखा। इस दौरान कृषि अभियांत्रिकी पवारखेडा से सहायक कृषि यंत्री, उपयंत्री, कृषि विभाग नर्मदापुरम् से वरिष्ट कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। बताया गया कि कृषको ने मशीन की उपयोगिता के बारे में जाना एवं काफी कृषक यह मशीन खरीदने हेतु उत्साहित है। कृषक ऑनलाईन आवेदन कर वर्तमान में 1 लाख 5 हजार रूपये का अनुदान का लाभ प्राप्त कर सकते है।

मानसिक स्वास्थ्य शिविर में 182 प्रतिभागी हुए उपस्थित, 77 की स्क्रीनिंग हुई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 10 अक्टूबर के अवसर पर जिला अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य शिविर में 182 लोगों ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन डॉ आर गंगराड़े एवं डॉ सतीश तिवारी ने किया। इस मौके पर डॉ शुभम सरकार, क्लिनिकल साइक्लोनिस्ट नाज़िया सिद्दीकी, सुनील साहू मीडिया प्रभारी, अलका इन्दौरकर, गीता चौधरी, मेट्रन पम्मी रॉव, मीनाक्षी बाथरी एनजीओ प्रियांशी, रक्षा शुक्ला एसएसके, हेमंत पटेल दिशा, प्रकाश यादव, विवेक पटवा, राजेन्द्र, बीआरडी नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य आरती मेडम एवं स्टूडेंट, मनकक्ष स्टॉफ सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे, शिविर में 77 नागरिकों को स्क्रीनिंग, 7 पॉजिटिव मरीजों को उपचार एवं परामर्श तथा निःशुल्क दवा वितरण किया गया। बीआरडी नर्सिंग कॉलेज के छात्र छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक एवम पोस्टर, संवाद प्रतियोगिता की गई। शिविर में आए मानसिक रोगियों की देखभाल में वाले नागरिकों के लिए डॉ सरकार एवं नाजिया सिद्दीकी द्वारा स्वास्थ्य संवाद कर उनकी भ्रांतियों को दूर किया गया। सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र माखननगर सहित सभी ब्लॉकों में यह शिविर आयोजित किए गए। मानसिक स्वास्थ्य माह दिनांक 11 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक मनाया जाएगा।

आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत एक गंभीर घायल

सिवनी मालवा। सिवनी मालवा के पास शिवपुर में गुरुवार शाम 4 से 5 बजे तेज बारिश के बीच सिवनी मालवा रोड स्थित वेयरहाउस के पास आकाशीय बिजली गिरी जिसमें खेत में गाडर चरा रहे छत्तीसगढ़ और राजस्थान से आए चरवाहे आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए एक चरवाहे की मौके पर ही मौत हो गई दूसरा घायल है। शिवपुर पुलिस ने पहुंचकर पंचनामा बनाया आरक्षक अमर तंवर ने बताया पोलमी पंडरिया छत्तीसगढ़ निवासी राम(19)पिता रामोतार पनीका की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई उसका साथी राजस्थान निवासी विष्णु घायल है दोनों अपने जानवरों को चराने के लिए खेत में रुके थे जानवरों को चार रहे थे इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिर गई।

आरटीओ ने स्कूली बच्चों को जूते उपलब्ध कराए

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

आरटीओ अधिकारी श्रीमति निशा चौहान के द्वारा ग्वालटोली स्थित स्कूल एवं आंगनवाड़ी का निरीक्षण किया जा रहा है। जिसमे कमियों को सुधार हेतु निर्देशित किया जा रहा है, तथा स्कूल के बच्चो को लगातार मोटिवेट किया जा रहा है। क्रमशः 3 बिंदुओ पर आरटीओ अधिकारी द्वारा स्कूली बच्चो में सुधार की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है - (1) शिक्षा में बेहतर प्रदर्शन, (2) स्वच्छता, (3) उपस्थिति। इन बिंदुओ पर बच्चो को सिखाया जा रहा है की कैसे आप अपना भविष्य बेहतर बना सकते है, शिक्षकों को आरटीओ द्वारा कहा गया हैं की 3 बिंदुओ पर ग्रेडिंग किया जाए तथा इसके आधार पर बेस्ट परफॉर्मर दिया जाए जिससे बच्चो को प्रोत्साहन मिल सके। जिन बच्चो में कमी पाई जा रही है उनमें सुधार कैसे किया जा सकता है। आरटीओ अधिकारी

द्वारा शिक्षको को प्रोत्साहित किया जा रहा है जिससे बच्चो को सही दिशा में पढ़ाया जा सके। जो बच्चे पढ़ाई में कमजोर है, उन 4 बच्चो का ग्रुप बनाकर उनके साथ पढ़ाई में अच्छे बच्चे को बैठाया जा रहा है। स्कूल मैदान में मुख्य गेट नही होने से असामाजिक तत्वों का प्रवेश हुआ करता था जिस पर संज्ञान लेते हुए मुख्य प्रवेश द्वार पर गेट लगवाया गया। सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गया, जिन बच्चो ने पढ़ाई, स्वच्छता और उपस्थिति में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हे आरटीओ अधिकारी द्वारा बेस्ट परफॉर्मर पत्र के साथ गिफ्ट दिया गया। शिक्षको द्वारा बताए जाने पर की बच्चो की आर्थिक स्थिति नही होने से बच्चे पूर्ण ड्रेस में नहीं आ पाते है, इसकी जानकारी लगने पर आरटीओ द्वारा बच्चो के पैरो के नाप लेकर उनके लिए जूते उपलब्ध कराए गए। नए जूते पाकर बच्चो के चेहरे पर खुशी पाई गई। स्कूल के शिक्षको द्वारा आरटीओ टीम को धन्यवाद दिया गया। 3 बच्चो को बेस्ट परफॉर्मर से नवाजा गया तथा और अच्छा प्रदर्शन करने पर आने वाले महीनों में भी यह इनाम दिए जाने के लिए कहा गया। आरटीओ अधिकारी ने बताया कि उनकी टीम के द्वारा प्रत्येक बच्चे को उज्जवल भविष्य हेतु उच्च शिक्षा एवं उचित मार्गदर्शन दिया जा रहा है जिससे उनमें बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिले।

ग्राम पंचायत बनवारी में किसान खेत पाठशाला का किया गया आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले के प्रत्येक ग्राम में किसान खेत पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में 10 अक्टूबर गुरूवार को ग्राम पंचायत बनवारी में किसान खेत पाठशाला का आयोजन किया गया। जिस उपलक्ष्य में एसडीएम विकासखंड पिपरिया, सरपंच श्रीमति रीना रघुवंशी, संसद प्रतिनिधि खूबचंद रघुवंशी, प्रगतिशील कृषक सुजीत रघुवंशी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं ग्राम बनवारी के कृषक बंधु उपस्थित रहे। किसान खेत पाठशाला का मुख्य उद्देश्य नरवाई प्रबंधन हेतु कृषकों को जागरूक करना एवं उर्वरकों के संतुलित प्रयोग के लिए कृषकों को प्रोत्साहित करना है। कृषि विभाग द्वारा कृषकों को मुख्य एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व बताया गया एवं कृषि विभाग से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। साथ ही नरवाई में आग न लगाने की सलाह दी गई। एसडीएम द्वारा रबी फसलों में खाद की उपलब्धता के लिए स्त्रड्डश्च के वैकल्पित उर्वरक जैसे ह्क्क्य , स्स्क्, ञ्स्क् आदि के संतुलित उपयोग हेतु किसानों को सलाह दी गई। उद्यानिकी विभाग द्वारा फसल पौध योजना एवं पीएमएफएमई योजना की जानकारी दी गई। किसान खेत पाठशाला में एसडीएम, सरपंच ग्राम पंचायत बनवारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रेणुका कीर, कृषि विस्तार अधिकारी बी.एस उईके, विकास पटेल, सभ्यता महोबिया, पीयूष सोलंकी, मोहित अय्यर, उद्यान विकास अधिकारी हीरेश पटेल सचिव ओमप्रकाश साहू, आगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्राम कोटवार, प्रगतिशील कृषक ब्रजेश कुशवाह, सुरेश पटेल, अरविंद रघुवंशी, अनिल दुबे उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

नशा निषेद्य शपथ कार्यक्रम हुआ

माँ की आराधना थीम पर आधारित गरबा आयोजन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

टीम आरंभ द्वारा स्थानीय मैरिज गार्डन में तीन दिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, अकादमिक काउंसलर डॉ.मयंक तोमर, विशिष्ट अतिथि खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार, राजस्व निरीक्षक गजेंद्र जाटव, संजीव शर्मा थे।कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्जवलन व् भगवती की आरती के साथ हुआ,मुख्य अतिथि ब्रजेन्द्र रावत, डॉ. मयंक तोमर, कमलेश दियावर को क्रमशः अभिषेक सोनी, प्रिया तिवारी हर्ष पालीवाल द्वारा पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया, मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट रावत ने सभी को नवरात्र की शुभकामनाएं दीं, इसके बाद अकादमिक काउंसलर डॉ.मयंक तोमर ने बताया कि आज युवा नशे की गिरिफ्त में तेजी से आरहे हैं जो चिंता का विषय हे अतएव सभी को संकल्प लेना होगा की नशे से दूर रहेंगे, इसी कड़ी में डॉ.तोमर ने सभी को मद्य निषेद्य की शपथ दिलवाई,मंच संचालन श्रद्धा उत्कर्ष तिवारी और भोपाल से आए डीजे रोहित लोधी ने किया,कार्यक्रम के दौरान हर्षित खापरे, अमन वर्मा, अभिजीत शुक्ला, उदित वर्मा, शिवम राजपूत, पुलकित जायसवाल आदि मौजूद थे, टीम ने सभी अतिथियों को आने हेतु धन्यवाद दिया।

जीनियस प्लानेट में दशहरा उत्सव धूमधाम से मना

इटारसी। जीनियस प्लानेट स्कूल में दशहरा एक्टिविटी को पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर लॉयन्स क्लब इटारसी पंख के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से बच्चों के उत्साह को बढ़ा दिया। लॉयन्स पंख की अध्यक्ष श्रीमती जया गाँधी जी से स्कूल के सभी बच्चों को नवरात्री और दशहरा पर्व की शुभकामनायें दी और कहा की हमें हमेशा अच्छाई का अनुसरण करना चाहिए और बुराई से खुद को बचाना चाहिए। पंख के अन्य सदस्य बलजीत कौर सौखी, अरुणा शर्मा, देवकुमारी, बीना तिवारी, आशा ठाकुर और मनीता सिद्दीकी उपस्थित रहें। इस अवसर पर प्री प्राइमरी से कक्षा पाँचवी तक के विद्यार्थी राम, लक्ष्मण, सीता जी एवं हनुमान की वेशभूषा में आये कक्षा तीसरी से पांचवी तक विद्यार्थियों आर्ट एंड क्राफ्ट के द्वारा तीर कमान, सजावट की सामग्री, दशहरा शुभकामनायों के ग्रीटिंग काड्र्स तथा कक्षा छटवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने रावण के आभूषण, कपडे, उसके दस सिर एवं 15 फिट का रावण बनाया।

140 हितग्राहियों के खाते में नगरपालिका ने हस्तांतरित की दूसरी एवं तीसरी किश्त, शेष का भी जल्द होगा भुगतान

विधायक के प्रयासों से हितग्राहियों को मिली प्रधानमंत्री आवास की अंतिम किश्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री आवास योजना में लंबे समय से अपने आवास की अंतिम किश्त का लंबे समय से इंतजार कर रहे हितग्राहियों के चेहरे खिले दिखाई दिए। विधायक उमाकांत शर्मा की पहल पर करीब चालीस दिनों के अंतराल में शासन स्तर पर किए गए प्रयासों से यह संभव हो सका है।

गुरुवार को अंबेडकर भवन में नगरपालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने एक सौ चालीस हितग्राहियों के खाते में करीब तेरासी लाख पचास हजार की राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए। उल्लेखनीय ही की विगत 31 अगस्त को विधायक उमाकांत शर्मा ने नगरिया स्तर का जनसमस्या शिविर का आयोजन किया था। जिसमें प्रधानमंत्री आवास के अनेक हितग्राहियों ने अपना आवास का कार्य पूर्ण हो जाने के बाद भी वर्ष 2016-17 एवं 2021 -22 की अंतिम किश्त का भुगतान नहीं होने की शिकायते की थी एक साथ बड़ी संख्या में आई शिकायतो को संज्ञान में लेते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने एसडीएम हर्षल चौधरी एवं सीएमओ रामप्रकाश साहू को तत्काल किश्तों का भुगतान नही होने का कारण तथा आ रही परेशानी से अवगत कराने के निर्देश देते हुए जल्द से जल्द भुगतान करने का कहा था उसके बाद से नपा प्रबंधन ने हितग्राहियों की जांच एवं जियोटेग पूर्ण कराकर विधायक उमाकांत शर्मा के माध्यम से शासन स्तर पर भुगतान के लिए पत्राचार किया और उसके परिणाम स्वरूप नगरपालिका को एक महीने में राशि प्राप्त हो सकी इसके उपरांत गुरुवार को जिन हितग्राहियों की जियोतेग पूर्ण हो गई थी उनको बकायदा आमंत्रित करके एक समारोह पूर्वक कार्यक्रम के दौरान किश्तों का वितरण किया गया। इस दौरान तृतीय किश्त के एक सौ तेरह लोगो को पचास हजार एवं दूसरी किश्त के सत्ताईस हितग्राहियों को एक लाख रु की राशि का वितरण किया गया।

इस दौरान उपस्थित हितग्राहियों को संबोधित करते हुए विधायक शर्मा ने कहा की भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणा पुंज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने समाज की अंतिम पंक्ति के पीड़ित शोषित व्यक्ति के उत्थान सेवा करने का मंत्र दिया था नर सेवा ही नारायण सेवा मानकर आज मोदी जी देश की जनता की भलाई का काम कर रहे हैं। आप सभी के आशीर्वाद से आज में सिरोंज लटेरी की जनता का प्रतिनिधित्व करता हूं इसलिए प्रत्येक व्यक्ति की मदद करना मेरा कर्तव्य है आज भी अनेकों ऐसे लोग है जो भाजपा को वोट नहीं करते लेकिन उनको भी बिना किसी भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ मिलता है यही हमारे लोकतंत्र की विशेषता भी है। अगर हिंदुस्तान की सभी जाति वर्ग बिना भेदभाव के एक साथ खड़े हो जाए तो कोई भी देश हिंदुस्तान का मुकाबला नही कर सकता। हम सब भी मिलकर सभी की भलाई का काम करे एक दूसरे का अच्छा सोचें। सिरोंज लटेरी में भी कुछ लोग जाति धर्म के नाम पर विद्वेष की भावना फैलाकर सांप्रदायिक सौहार्द को खराब करना चाहते हैं। उन्होंने कहा की आज जिन हितग्राहियों को किश्तों का भुगतान हुआ है उसके अलावा वे लोग जिनका काम पूर्ण हो गया है तथा किस्त का भुगतान होना शेष है उनको भी शीघ्र ही भुगतान करने की कार्यवाही की जाएगी। कार्यक्रम को एसडीएम हर्षल चौधरी, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव, पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने भी संबोधित किया। आभार नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा के नेता हरीबाबू भार्गव, पूर्व नपाध्यक्ष संतोष चौरे, पार्षद हरिचरण अहिरवार, बलजीत यादव, जयनारायण सेन, राजा मियां, धर्मेंद्र जैन, टीकाराम शाक्य आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया धन्यवाद

कार्यक्रम के दौरान अनेक हिंदू मुस्लिम हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी महत्वपूर्ण सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं क्षेत्र में हितग्राहियों को लाभान्वित करवाने वाले विधायक उमाकांत शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित किया। अपने अनुभव साझा करते हुए वार्ड दो में रहने वाली ममता नामदेव ने कहा की हम गरीब परिवार से होकर मेहनत मजदूरी करके जीवन यापन करते हैं जैसे तैसे पैसे जोड़कर प्लाट खरीदकर उस पर कच्चा मकान बनाकर रहते थे पक्का मकान बनाने की हम सोच ही नही सकते थे लेकिन मोदी जी ने इस योजना के माध्यम से लाखो लाख लोगो को पक्का मकान देकर बहुत परोपकार का काम किया है। अपना अनुभव सुनाते हुए भावुक होकर उन्होंने कहा की आज मेरा मकान पूरा बन गया है और आज जो पैसे मुझे अंतिम किश्त केनिश्चिन रूप में मिली ही उससे में जो उधारी ही उसे चुका कर निश्चिंता से अपने परिवार के साथ अपने घर में रह सकूंगी।

कन्याओं का पूजन कर हितग्राहियों का किया सम्मान

अंबेडकर भवन में आयोजित कार्यक्रम में विधायक उमाकांत शर्मा ने दीप प्रज्वलन के बाद मंच पर जनप्रतिनिधियों के लिए लगाई गई कुर्सियों पर नौ देवी स्वरूपा कन्याओं को बैठाकर उनका तिलक चुनरी उड़ाकर पूजन किया और स्वयं सभी नेताओ के साथ उनके चरणों में बैठकर कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सभी हितग्राहियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत भी किया।

व्यावसायिक कार्य में घरेलू गैस सिलेंडर उपयोग करने पर तीन प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही की

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में आज खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की टीम द्वारा विदिशा नगर में संचालित 5 प्रतिष्ठानों की जांच व निरीक्षण कर 07 गैस सिलेंडर और ती भट्टी जप्त किए जाने की कार्यवाही की गई है। संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक कार्य में उपयोग किए जाने से द्रवित पेट्रोलियम गैस, प्रदाय एवं वितरण विनियमद्ध 2000 की कण्डिका का उल्लंघन किए जाने से आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3ध्7 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किए जाने की कार्रवाई की गई है। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्रीमतिपिंकी शाक्य श्रीमति वैशाली दांगी श्रीमति अंजना एक्का द्वारा विदिशा नगर के जिन 05 प्रतिष्ठानो कीजांच के दौरान महाकाल रेस्टोरेंट से 03 घरेलू गैस सिलेण्डरए 01 भट्टी गुलशन फेमली रेस्टोरेंट विदिशा से 01 घरेलु गैस सिलेण्डर 01 भट्टी एवं सृष्टिफेमली रेस्टोरेंट वायपास विदिशा से 03 घरेलू गैस सिलेण्डर 01 भट्टीए इस प्रकार कुल 07 घरेलु गैस सिलेण्डर एवं 03 गैस भट्टी जप्त की गई है।

शक्ति अभिनंदन अभियान का समापन हुआ

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

महिला एवं बालिका सशक्तिकरण, जागरूकता हेतु शक्ति अभिनंदन अभियान का संचालन जिले में किया गया था। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी भरत सिंह राजपूत ने बताया कि महिला एवं बालिका सुरक्षा जैसे मुद्दों के प्रति जन जागरूकता लाने और संवेदनशीलता बढाने के उद्देश्य से जिले के समस्त विकास खण्डों में अभियान अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के समापन अवसर पर शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विदिशा में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीमति ज्योति शर्मा डी.एस.पी विदिशा, सुश्री मासूम पटले उप डी.एस.पी विदिशा, श्रीमति कृतिका व्यास प्रशासक वन स्टॉप सेंटर विदिशा, श्रीमति दीप्ती शुक्ला प्रचार्य महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विदिशा, महिला एवं बाल विकास विभाग विदिशा से श्याम कुमार शर्मा, सुतोष रघुवंशी, अरबिन्द मिश्रा, पर्यवेक्षक एवं स्कूल की बालिकाओं के सांथ महिलाएं भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में श्रीमति कृतिका व्यास प्रशासक वन स्टॉप सेंटर द्वारा कार्यक्रम की रूप् रेखा रखी गई सांथ ही वन स्टॉप सेंटर के माध्य से महिला और बालिकाओं को दी जा रही सुविधाओं के विषय में विस्तार से वताया गया। उप डी.एस.पी सुश्री मासूम पटले और बालिकाओं को आत्मरक्षा एवं केरियर काउंसलिंग, कौशल शिक्षा के विषय में विस्तार से बताया गया सांथ ही बालिकाओं से संवाद किया गया।

पुलिस हिरासत में आरोपी ने पीया एसिड, भोपाल में भर्ती

सिरोंज। गुरुवार को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपी मोहित ने लैट्रिन में राखी हार्पिक की बोतल का एसिड स्पीकर जान देने की कोशिश की इसके बाद हालत गंभीर होने पर तत्काल पुलिस गाड़ी से ही पुलिसकर्मी उसको इलाज के लिए अस्पताल में लेकर पहुंचे डॉक्टर ने हालत गंभीर होने पर प्राथमिक में उपचार के बाद उसको इलाज के लिए पुलिस भोपाल लेकर गई है। जहां पर उसकी हालत स्थिर बनी हुई है? एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी ने बताया कि चोरी के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपी ने पुलिसकर्मियों से लैट्रिंग जाने का बोला तो पुलिस कर्मी उसको लैट्रिन में लेकर पहुंचे। वहीं पर रखी हार्पिक की बोतल में से उसने एसिड पी लिया इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसको तत्काल इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया सातवीं क्लास के बाद उसको भोपाल में भर्ती किया गया है गैस्ट्रो केयर में उसका इलाज चल रहा है । पूरे मामले की भी जांच की जा रही है यदि पुलिस कर्मियों की लापरवाही सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी साथ ही पूरे घटनाक्रम से एसपी दीपक कुमार शुक्ला को भी अवगत कर दिया गया है । वहीं पहला मामला थाने में सामने आया जहां पर पुलिस की हिरासत में किसी आरोपी ने एसिड पीकर जान देने की कोशिश की है।

सीएम हेल्पलाइन आवेदनों के निराकरणों पर विशेष ध्यान दे विभाग : कलेक्टर सिंह

विदिशा। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों के निराकरणों पर संबंधित विभागों के जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारियों को विशेष ध्यान देने के निर्देश प्रसारित किए हैं। कलेक्टर सिंह ने ग्रेडिंग मंथ सितंबर माह की शिकायतों के साथ साथ 50 दिवस की शिकायतों को निराकृत कराने में कोई कोर कसर ना छोड़े। कलेक्टर सिंह ने पचास दिवस की सर्वाधिक लंबित जिन विभागों के अधिकारियों को विशेष तौर पर निर्देशित किया है उन में श्रम विभाग, नगरीय प्रशासन अंतर्गत विदिशा नगर पालिका,पुलिस, किसान कल्याण तथा कृषि विभाग,सूचना प्रोधोगिकी राजस्व विभाग ,महिला एवं बाल विकास (लाडली बहना एवं मात वंदना योजना छोड़कर) जनजातीय कार्य विभाग ,स्कूल शिक्षा विभाग ,लोक स्वास्थ्य, अनूसूचित जाति कल्याण, पिछड़ा वर्ग एवं पंचायत विभाग शामिल हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में क्रोध प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में आज विदिशा के बरईपुरा स्थित सीएम राइज विद्यालय में क्रोध प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने शामिल होकर क्रोध प्रबंधन विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान की है।

कार्यशाला में सेवानी व्रत प्राचार्य श्रीमती चारु सक्सेना, विद्यालय प्राचार्य के सिंह, प्रभारी प्राचार्य बलराम चैधरी एवं एआईएफ के प्रोग्राम मैनेजर कृति प्रधान, प्रोग्राम एसोसिएटेड दीक्षा चैहान एवं मानसिक स्वास्थ्य सुगमकर्ता शोभा तिवारी, योगेंद्र तिवारी सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र करण अहिरवार ने पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला की एक तस्वीर बनाई थी जिसे कलेक्टर रोशन कुमार सिंह को भेंट किया गया। कलेक्टर सिंह ने छात्रा द्वारा पुलिस अधीक्षक की सुंदर तस्वीर बनाए जाने पर उनकी कला की प्रशंसा की है।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

विदिशा। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाली ऐक्टिविटी कि श्रृंखला में आज 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक दिवस एवं विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय में शिविर का आयोजन किया गया था। सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ शिरीष रघुवंशी के मार्गदर्शन में आयोजित मानसिक स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर का जिला चिकित्सालय में वरिष्ठ नेत्र सर्जन डॉक्टर अजय उपाध्याय के द्वारा शुभारंभ किया गया मन कक्ष टीम डॉ अशोक राजपूत एवम् नर्सिंग ऑफिसर सोनाली पिप्पल द्वारा सभी मानसिक रोगियों की स्क्रीनिंग कर उपचार प्रदान किया , एवम सभी मरीजों व उनके परिजनों को काउंसलिंग प्रदान की गई व मानसिक रोग से जागरूकता संबंधित प्रचार सामग्री वितरित किए गए हैं।

मेट्रो एंकर — जल जीवन मिशन कार्य की समीक्षा

कार्य पूर्ण करने हेतु अनुकूल मौसम : कलेक्टर सिंह

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने आज विदिशा जिले में क्रियान्वित जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित की गई थी। इस बैठक में लोक स्वास्थ्य यंत्र की विभाग के कार्यपालन यंत्री संतोष साल्वे मध्य प्रदेश जल निगम मर्यादित भोपाल के अधिकारीयो सहित कार्यों को पूर्ण करने हेतु नियुक्त ठेकेदार एवं अन्य मौजूद रहे।

कलेक्टर सिंह ने नल से घर तक जल पहुंचने के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत प्रगतिरत समूह जल प्रदाय योजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधितों को निर्देशित किया कि यह मौसम कार्यों को पूर्ण करने के लिए अनुकूल है । संपूर्ण कार्य गुणवत्ता को ध्यांगत रखते हुए समय सीमा में पूरे कराए जाएं उन्होंने योजनाओं को पूर्ण करने के माह वार लक्ष्य निर्धारित करते हुए निर्देशित किया है कि लक्ष्यों की पूर्ति में यदि ठेकेदारों के द्वारा आना-कानी की जाती है तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रों का सतत भ्रमण कर समूह जलप्रदाय योजनाओं की अघतन स्थिति पर सतत नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर सिंह निर्देशित की है कि प्रगति रथ समूह जलप्रपात योजना के रिवाइज होने के बाद दो माह के भीतर में संपूर्ण कार्य पूर्ण कराए जाएं यदि समय अवधि में कार्य पूर्ण नहीं कराए जाते हैं तो संबंधितों के खिलाफ आर्थिक दंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करें के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को दिए गए हैं। बैठक में बताया कि विदिशा जिले में समूह जलप्रपात योजना 6 क्रियान्वित की जा रही हैं। जिसमें स्वीकृत ग्रामों की संख्या 1547 है सभी 6 समूह नल जल योजना के कार्य प्रगति रथ हैं । इन नल जल योजना से 78504 घरेलू कनेक्शन का लक्ष्य रखा गया है । इन कनेक्शनों से लाभान्वित होने वाली जनसंख्या 13 लाख 37 हजार 441 है। अब तक 14616 कनेक्शन कार्य पूर्ण किए जा चुका है। जल प्रदाय योजनाओं की अघतन स्थिति से अवगत कराया गया तदनुसार सगड़-हिनोतिया माली समूह जलप्रदाय योजना में सम्मलित ग्राम - 109 है। इन की भौतिक प्रगति 95.80:, वेरियेशन कार्य प्रगतिरत है। आंशिक संचालन-संधारण अंतर्गत 91 ग्रामों में प्रतिदिन जल प्रदाय किया जा रहा है।

संजय सागर (नहरयाई) समूह जलप्रदाय योजना

सम्मलित ग्राम 129 है। जिनके कार्यों की भौतिक प्रगति 51.31: है। टेम समूह जलप्रदाय योजना में सम्मलित ग्राम 207 है। उक्त परियोजना की भौतिक प्रगति 42.95 प्रतिशत है। कोठा समूह जलप्रदाय योजना अंतर्गत सम्मलित ग्रामों की संख्या 321 है।भौतिक प्रगति 43.73 प्रतिशत है। हनोता समूह जलप्रदाय योजना में सम्मलित ग्राम 562 है और भौतिक प्रगति 40.56 प्रतिशत है। मडिया बीना समूह जलप्रदाय योजना में 219 ग्राम सम्मलित है तथा भौतिक प्रगति 21.98 प्रतिशत उपलब्धियां हासिल की गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से क्रियान्वित जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में 595 नल जल योजना स्वीकृत हुई हैं जिनकी कुल लागत 26507.36 लाख रुपए है। इनमे से 73 योजनाऐं पेयजल के पर्याप्त स्रोत उपलब्ध नहीं होने के कारण उक्त ग्रामों की योजनाओं को जल निगम की स्वीकृत एवं प्रगतिरत विभिन्न समूह नलजल प्रदाय योजनाओं मे सम्मिलित कर लिया गया है। कुल 522 योजनाओं में कार्य किया जा रहा है। जल जीवन मिशन की 522 नलजल योजनाओं में से 286 योजनाऐं पूर्ण है। पूर्ण योजनाओं में से 186 योजनाऐं संबंधित ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी है एवं 236 प्रगतिरत है। जल जीवन मिशन के पूर्व की 26 नलजल योजनाऐं पूर्ण है जिसमे से 12 योजनाऐं संबंधित ग्राम पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जिले में 595 नलजल योजनाएं स्वीकृत हुई है, जिसकी कुल लागत 26507.36 लाख है।

रिकॉर्ड: 27 साल बाद टेस्ट में 800+ रन बने

ब्रूक ने सेकेंड फास्टेस्ट ट्रिपल सेंचुरी लगाई

मुल्तान. एजेंसी

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच मुल्तान में जब पहला टेस्ट शुरू हुआ तो मामला बराबरी का था। पाकिस्तान ने करीब 150 ओवर बैटिंग कर 556 रन बनाए, तब लगा कि फ्लैट पिच पर मैच ड्रॉ हो जाएगा। फिर इंग्लैंड ने भी 150 ओवर ही बैटिंग की, लेकिन 823 रन बना डाले। इंग्लैंड से जो रूट ने 262 और हैरी ब्रूक ने 317 रन बना दिए। 147 साल के क्रिकेट इतिहास में इंग्लैंड से पहली बार ही 2 बैटर्स ने एक ही पारी में 250 प्लस के स्कोर बनाए हैं। पहली पारी में 267 रन की बढ़त के बाद इंग्लैंड ने पाकिस्तान के 152 रन पर ही 6 विकेट गिरा दिए। आज मुल्तान टेस्ट के आखिरी दिन का खेल होगा। पाकिस्तान अब भी 115 रन से पीछे है। टीम को मैच ड्रॉ कराना है तो दिन भर बैटिंग करनी ही होगी। अगर इंग्लैंड ने मैच जीत लिया तो पाकिस्तान पहली पारी में 550 रन बनाने के बाद भी टेस्ट हारने वाली 5वीं टीम बन जाएगी।

मुल्तान टेस्ट के टॉप रिकॉर्ड्स: अब तक 4 टीमों ने 550+ रन बनाने के बाद गंवाया टेस्ट पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाकर मजबूत स्थिति हासिल कर ली थी, लेकिन टीम अब हारने की स्थिति में है। अगर पाकिस्तान ने मैच गंवा दिया, तो टीम पहली पारी में 550 से ज्यादा रन बनाने के बाद भी हारने वाली 5वीं टीम बन जाएगी। पाकिस्तान से पहले न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और खुद इंग्लैंड पहली पारी में 550 से ज्यादा रन बनाने के बाद एक-एक मैच हार चुकी हैं।

मुल्तान टेस्ट में इंग्लैंड का धमाल

टेस्ट क्रिकेट का असल 'बैजबॉल'

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

हाल ही में भारत-बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने टेस्ट क्रिकेट के बैजबॉल फॉर्मूला की बदौलत मात्र दो दिनों के खेल में धमाकेदार जीत हासिल की थी। टीम इंडिया की टेस्ट मैच की उस जीत में फटाफट बल्लेबाजी के तमाम वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गये।टीम इंडिया के टी20 अंदाज की जीत के बाद पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच मुल्तान टेस्ट मैच में बैजबॉल रोमांच का नया डोज देखने को मिला। दरअसल 5 दिनों तक चलने वाले मुल्तान टेस्ट मैच में बैजबॉल के असल जन्मदाता इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने वही अंदाज दिखाकर ड्रा माने जा रहे टेस्ट मैच की बाजी पलट कर रख दी। पाकिस्तान की घरेलू जमीन पर पहली पारी के साढ़े पांच सौ रनों के जवाब में सिर्फ 150 ओवर के खेल में 5.49 के औसत से 823 रनों का पहाड़ खड़ा कर दिया।भले ही पाकिस्तान की तरफ से शाहीन अफरीदी और नसीम शाह जैसे तेज गेंदबाजों का नाम वर्ल्ड क्रिकेट में चलता है,लेकिन इंग्लैंड के बैजबॉल के सामने सभी पाक गेंदबाज भीगी बिल्ली नजर आये। स्टार गेंदबाजों को मिलाकर पाकिस्तान टीम के 6 गेंदबाजों ने 100 सेअधिक रन लुटा कर वर्ल्ड क्रिकेट के शर्मनाक रिकॉर्ड में टीम का नाम दर्ज कर दिया।इंग्लैंड की तरफ से हैरी ब्रूक ने रिकॉर्ड तोड़ तिहरे शतक की पारी खेली जबकि जो रूट ने भी दोहरा शतक ठोक डाला।दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पाकिस्तान के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दी।इंग्लैंड की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत मेजबान टीम मैच के चौथे दिन ही हार के मुहाने पर खड़ी नजर आ रही है।मेहमान टीम को सीरीज में बढ़त के लिए आखिरी दिन मात्र 4 विकेट की दरकार है। दरअसल क्रिकेट की टी20 युग की शुरुआत के बाद से ही क्रिकेट के असल रूप यानी टेस्ट मैच के खेलने के अंदाज में नए नए रंग नजर आने लगे हैं। कगार हम पिछले कुछ सालों की दौरान हुई टेस्ट सीरीजों पर नजर डालें तो फिर ज्यादातर मैचों में परिणाम निकल कर आये हैं। ऐसा लगने लगा है कि मैदान चाहे घरेलू हो या फिर सरजमीं विदेशी ही क्यों न हो टीमों के खेलने का अंदाज तो बदल ही गया है। मतलब साफ है के टेस्ट मैचों की समयावधि चाहे दो दिन हो या पांच दिन, वहीं विकेट पाटा मिले चाहे गेंदबाजों की मददगार हो टीमों का मकसद अब सिर्फ नतीजा रहता है।सही मायने में टेस्ट क्रिकेट के रोमांच में बैजबॉल अंदाज ने चार चांद लगा दिये हैं। अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि टेस्ट क्रिकेट को अलग तरीके से खेलने वाली इंग्लैंड की बैजबॉल क्रिकेट पर भारत के बाद कौन सी टीमें भरोसा कर पाती हैं।यह तो वक्त ही बताएगा कि आने वाले समय मे टीमों का टेस्ट क्रिकेट को खेलने का नजरिया क्या रहता है, लेकिन लगातार पांच दिनों तक टेस्ट मैच को एक ही अंदाज में खेलने की ताकत तो हाल फिलहाल में इंग्लैंड टीम में ही नजर आती है। इस टीम की खास बात यह भी है उसके खेलने का अंदाज घरेलू और विदेशी सरजमीं पर बदलता नहीं है। जीत या हार के मायने उसके लिए बैजबॉल क्रिकेट से परे हैं। शायद इसी वजह से इंग्लैंड टीम को कई टेस्ट मैचों हार का स्वाद भी चखना पड़ा,लेकिन इस टीम ने बैजबॉल फार्मूला कतई नहीं छोड़ा।

अंडर-19 क्रिकेट: भारतीय टीम ने किया क्लीन स्वीप

चेन्नई. एजेंसी

पदार्पण मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑफ स्पिनर अनमोलजीत सिंह और लेग स्पिनर मोहम्मद इनान ने ऑस्ट्रेलियाई टीम के 20 में से 16 विकेट झटक लिए, जिससे भारतीय अंडर-19 टीम ने बुधवार को यहां दूसरे यूथ टेस्ट में पारी और 120 रन की जीत के साथ ही सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। भारत के पहली पारी में 492 रन के विशाल स्कोर के जवाब में उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन सुबह तीन विकेट पर 142 रन के स्कोर से खेलना शुरू किया, लेकिन टीम पहली पारी में 277 व फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में महज 95 रन पर ढेर हो गई। प्लेयर ऑफ द मैच बने अनमोल ने मैच में कुल नौ विकेट झटके।

32 टीमें करेंगी शिरकत

रणजी ट्रॉफी: आज से प्रतिष्ठित घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

रांची. एजेंसी

झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने 2024-25 के लिए रणजी टीम की घोषणा कर दी। टीम की कमान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ईशान किशन को सौंपी गई है। ईशान ने बुची बाबू टूर्नामेंट में भी टीम की कप्तानी की थी। उल्लेखनीय है कि रणजी ट्रॉफी के 2024-25 सत्र में झारखंड एलीट ग्रुप-डी में असम, रेलवे, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, सौराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु के साथ है। रणजी सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। झारखंड की टीम अपने पहले मैच में असम से भिड़ेगी। वहीं जयपुर. राजस्थान रणजी टीम का ऐलान भी कर दिया गया है। राजस्थान टीम की कमान एक बार फिर दीपक हुड्डा के हाथों में होगी, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर के तेज गेंदबाज दीपक चाहर उपकप्तान होंगे। राजस्थान टीम को ग्रुप-बी में आंध्र प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हैदराबाद, पुडुचेरी, उत्तराखंड और विदर्भ के साथ रखा है। दो बार की चैंपियन राजस्थान का पहला मैच जयपुर में अपने घरेलू मैदान पर पुडुचेरी से होगा।

झारखंड टीम: ईशान (कप्तान), विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, नाजिम सिद्दीकी, आर्यमन सेन, शरणदीप सिंह, कुमार सूरज, अनुकूल रॉय, उत्कर्ष सिंह, सुप्रियो चक्रवर्ती, सौरभ शेखर, विकास कुमार, विवेकानन्द तिवारी, मनीषी, रवि कुमार यादव और रौनक कुमार।

राजस्थान टीम: दीपक हुड्डा (कप्तान), अभिजीत तोमर, यश कोठारी, राम मोहन चौहान, सलमान खान, महिपाल लोमरोर, कुणाल सिंह, भारत शर्मा, अजय सिंह कूकना, मानव सुथार, राहुल चाहर, दीपक चाहर, अनिकेत चौधरी, खलील अहमद व अराफात खान।

ग्रैंड स्लेम चैंपियन राफेल नडाल का टेनिस से संन्यास

पोर्टो. एजेंसी

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने टेनिस से रियाटरमेंट का ऐलान कर दिया है। नवंबर में होने वाला डेविस कप फाइनल नडाल के करियर का आखिरी इवेंट होगा। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को यह जानकारी दी। 38 साल के स्पेनिश स्टार पिछले कुछ वर्षों से चोट की समस्या से जूझ रहे थे। 22 ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल की गिनती दुनिया के अब तक महानतम टेनिस खिलाड़ियों में होती है। मेंस खिलाड़ियों में उनसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब खिलाड़ी सिर्फ नोवाक जोकोविच जीत सके हैं। जोकोविच के नाम 24 टाइटल हैं। नडाल सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी नडाल मेंस सिगल्स में सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लैम जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। नडाल ने 22 खिताब जीते हैं।

मेट्रो बाजार

भोपाल. दोपहर मेट्रो

फेस्टिवल में ईवी की बंपर बिक्री

पेट्रोल-डीजल वाहन अब भी पहली पसंद

नवरात्र दशहरा दिवाली का सीजन शुरू होते ही व्हीकल इंडस्ट्री में एक बार फिर इलेक्ट्रिक व्हीकल की पूछ परख तेज हो गई है। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में नवरात्रि के बीते एक सप्ताह में 100 से ज्यादा इलेक्ट्रिक व्हीकल रजिस्टर्ड किए गए हैं। हालांकि अभी भी माइलेज और पिकअप के मामले में पेट्रोल डीजल गाड़ियों का कोई मुकाबला नहीं है। लोग आज भी पसंद को तरजीह दे रहे हैं। इलेक्ट्रिक व्हीकल के मुकाबले 150 से अधिक पेट्रोल डीजल के दो पहिया एवं चार पहिया वाहन इन 6 दिनों में रजिस्टर्ड हुए हैं। सीएनजी से चलने वाले लगभग 80 वाहन पिछले 1 सप्ताह में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में रजिस्टर्ड हुए हैं।

चार्जिंग स्टेशन का लोकल प्लान: भोपाल में बनाए जाने वाले 37 चार्जिंग स्टेशनों में से 27 फास्ट और 10 स्लो चार्जिंग स्टेशन होंगे। इन स्टेशनों में टू व्हीलर, थ्री व्हीलर और फोर व्हीलर वाहन चार्ज हो सकेंगे। अभी रेलवे स्टेशन, मल्टी लेवल पार्किंग, गोविंदपुरा स्मार्ट सिटी कैंपस, भोपाल एयरपोर्ट पर ये सुविधा है। मध्य प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, उत्तराखंड, पंजाब और उत्तर प्रदेश अपनी नीतियों में इलेक्ट्रिक कारों और एसयूवी के लिए डायरेक्ट सब्सिडी नहीं देते , लेकिन रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट दी जाती है। नवरात्र में अब तक सर्वाधिक वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। आरसी पीडीएफ फार्मेट में मिल रही है। वहीं फेस्टिवल में इवी की बंपर बिक्री, पेट्रोल और डीजल वाहन अब भी पहली पसंद वाहनों के पंजीयन के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। संख्या में प्रतिदिन इजाफा हो रहा है। दस्तावेज पीडीएफ फार्मेट में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पीएम-ई ड्राइव योजना में प्रोत्साहन के साथ वारंटी पर जोर है। अधिसूचना में स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी समेत अन्य पार्ट पर व्यापक वारंटी देनी होगी। वारंटी के न्यूनतम मानक भी निर्धारित किए गए हैं, जो हर कंपनी को अपनाने होंगे। पीएम-ई ड्राइव योजना के तहत अभी सिर्फ दोपहिया, ई-रिक्शा व ई-कार्ट और ई-तिपहिया एल-5 वाहनों पर सब्सिडी व वारंटी मिलेगी।

किचन का बजट गड़बड़ाया: फलों और सब्जियां सब महंगे, टमाटर 80, फूलगोभी 100 रु.

भोपाल. दोपहर मेट्रो

हरी सब्जियां रेकॉर्ड भाव पर बिक रही हैं, इसलिए किचन का बजट गड़बड़ा गया है। अधिकांश सब्जियां फुटकर में 40 से 80 रुपए प्रति किलो बिक रही है जबकि टमाटर भी 80 रुपए के आसपास पहुंच गया है। फूलगोभी सौ रुपए किलो पर पहुंच गई है। हालांकि राहत की बात यह है कि 20 अक्टूबर के बाद सब्जियों के भाव नीचे आ जाएंगे। थोक सब्जी कारोबारी हरिओम खटीक बताते हैं कि बारिश के दिनों में लगने वाली सब्जियां अभी खेतों में पूरी तरह से तैयार नहीं हुई है। सब्जी कारोबारी राजेश गुप्ता ने बताया कि सब्जियों की नई फसल एक महीने लेट हो गई। इसके असर से वर्तमान में तेजी देखने को मिल रही है।

सेवफल की आवक बढ़ी: स्थानीय थोक मंडी में इस समय केला, सेवफल सहित सभी तरह के फल आ रहे हैं। फल कारोबारी संतोष गुप्ता ने बताया कि सेवफल की आवक शिमला, कश्मीर से अच्छी हो रही है। फलाहार वालों के लिए यह राहत की बात है। केला बुरहानपुर से आ रहा है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मीरा बोलीं- मैं कंगना की बहुत बड़ी फैन हूं...

बॉलीवुड की 'गर्ल' प्रियंका चोपड़ा जिस तरह हमेशा मीडिया लाइमलाइट में रहती हैं, उसी तरह उनका परिवार भी हमेशा चर्चा में रहता है। अभिनेत्री की कजिन मीरा चोपड़ा भी अपने बयान को लेकर काफी सुर्खियां बटोरती हैं। अब हाल ही में, मीरा चोपड़ा अभिनेत्री कंगना रनौत के समर्थन में आई हैं और राजनीति में आने के उनके फैसले की भी सराहना की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। मीरा चोपड़ा का कहना है कि यह कंगना जैसे युवाओं के लिए राजनीति में शामिल होने का सही समय है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि कंगना अभी भी शुरुआती समस्याओं का सामना कर रही हैं क्योंकि वह राजनीतिज्ञ बनने के लिए नई हैं, लेकिन उन्हें यकीन है कि कंगना अपना रास्ता खोज लेंगी और आगे बहुत अच्छा करेंगी। हाल ही में, मीरा ने हिटफिलक को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ''मुझे लगता है कि युवाओं के लिए राजनीति में आने का समय आ गया है। कंगना को देखिए। मुझे लगता है कि उनके लिए इसमें शामिल होने का यह सबसे अच्छा समय है, हालांकि मैं कहूंगी कि वह एक बेहतर अभिनेत्री हैं, लेकिन उन्होंने अभी शुरुआत की है।

यही नहीं, मीरा ने कबूल किया कि वह कंगना रनौत की प्रशंसक हैं क्योंकि वह फिल्म इंडस्ट्री में उनके दिखाए गए साहस और बेबाकी की प्रशंसा करती हैं। उन्होंने कहा, मैं कंगना की प्रशंसक हूं। मैं कंगना की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि उन्होंने इस इंडस्ट्री में जो किया है, वह बॉलीवुड की शुरुआत से लेकर अब तक कोई भी अन्य अभिनेत्री नहीं कर पाई है। मीरा ने आगे कहा, वह एक योद्धा है। वह अकेली है, और इसी तरह वह काम कर रही है। वह सब कुछ कर रही है। आज तक कोई भी यह सब करने में कामयाब नहीं हुआ है। हालांकि मीरा ने माना कि कंगना का सीधा-सादा स्वभाव उन्हें अक्सर मुसीबत में डाल देता है। अभिनेत्री ने कहा, वह कूटनीतिक नहीं है, वह बोलने से पहले सोचती नहीं है और इसलिए वह इतनी मुसीबत में पड़ जाती है।

प्रियंका चोपड़ा को हुई थी मानसिक स्वास्थ्य समस्या

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा आज बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों से सभी का दिल जीत चुकी हैं। आज जिस मुकाम पर प्रियंका हैं, वह उनकी मेहनत और लगन का ही नतीजा है। लेकिन एक वक्त ऐसा भी था जब प्रियंका को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने ऐसी परिस्थितियों से निपटने के बारे में बात की थी और कुछ महत्वपूर्ण सलाह भी दी थी। प्रियंका के अलावा कई बॉलीवुड हस्तियों ने अपने मानसिक स्वास्थ्य संघर्षों के बारे में खुलकर बात की है। आज, 10 अक्टूबर, 2024 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर, आइए उस पल को फिर से याद करें जब प्रियंका चोपड़ा ने खुलासा किया था कि वह अपनी भावनाओं से निपट नहीं सकती हैं। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने वालों को सहायता करने की सलाह भी दी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मशहूर रणवीर शो पॉडकास्ट के एक पुराने एपिसोड में प्रियंका चोपड़ा ने अपने जीवन में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा था, मेरे जीवन में एक समय ऐसा दौर आया था, जब मेरे पिता के निधन के बाद मुझे नहीं पता था कि अपनी भावनाओं से कैसे निपटना है।

मर्डर में इमरान के साथ बोल्ड सीन के बारे में मल्लिका शेरावत ने की खुलकर बात

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत इन दिनों फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अपनी वापसी के साथ ही मल्लिका फिल्म उद्योग में अपने शुरुआती दिनों को याद किया, जब उन्होंने निर्देशक महेश भट्ट की फिल्म मर्डर की थी। हाल ही में अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने स्वीकार किया कि फिल्म मर्डर में बोल्ड दृश्यों को फिल्माते समय उन्हें कुछ काफी असहजता महसूस हुई थी, लेकिन उन्होंने बताया कि महेश भट्ट और इमरान हाशमी ने उन्हें सहज महसूस कराने में काफी मदद की थी। फिल्म निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट की फिल्म मर्डर में मल्लिका शेरावत के साथ इमरान हाशमी की जोड़ी काफी पसंद की गई थी। लेकिन सबसे ज्यादा उस समय और आज भी चर्चा में रहता है दोनों के बीच फिल्माए गए बोल्ड सीन। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में मल्लिका ने कहा कि फिल्मों में बोल्ड सीन के वक्त कोई भी असहज महसूस करेगा, लेकिन महेश भट्ट और इमरान दोनों ने उसे सहज महसूस कराया और सभी लड़कियां सेट पर बहुत सुरक्षित महसूस करती थीं। मल्लिका ने बताया कि महेश भट्ट की फिल्म मर्डर के सेट पर काम करते वक्त उन्हें हमेशा सुरक्षित और सशक्त महसूस होता था। मर्डर में बोल्ड और इंटेंस सीन फिल्माने के अपने अनुभव को याद करते हुए मल्लिका ने महेश और फिल्म में उनके सह-कलाकार इमरान हाशमी द्वारा बनाए गए साकारत्मक माहौल की तारीफ की, जिसकी वजह से वह फिल्म के सेट पर सहज महसूस करती थीं। मल्लिका ने कहा, ''महेश भट्ट की फिल्मों के सेट पर सभी लड़कियां बहुत सुरक्षित हैं। मर्डर में बोल्ड सीन करते समय भी मुझे बहुत

शहर में चोरों के हौसले बुलंद...

ड्रोन आपरेट करने के लिए रखे लैपटाप एसडीईआरएफ स्टोर रूम से चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अरेरा थाना क्षेत्र स्थित एसडीईआरएफ स्टोर रूम से अज्ञात चोर दो लैपटॉप चुराकर ले गए। यह लैपटॉप ड्रोन को ऑपरेट करने के लिए रखे गए थे। अरेरा हिल्स पुलिस ने अज्ञात चोरों पर प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार स्टोर के प्लाटून कमांडर केतन कनौजी ने शिकायत करते हुए बताया कि जून महीने में उन्होंने लैपटॉप को आखिरी बार सुरक्षित रखे देखा था। सितंबर के अंत में जब वह दौबारा लैपटॉप देखने पहुंचे तो लैपटाप नहीं थे। इसके बाद एसडीईआरएफ के अन्य अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने अपने स्तर पर जांच की, पर कुछ पता नहीं चला। इसके बाद अरेरा हिल्स पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत की गई । पुलिस का कहना है कि लैपटॉप में किसी भी तरह की कोई खूफिया जानकारी नहीं थी।

ताला खोलकर जेवरात समेत 70 हजार की चोरी

भोपाल। गौतम नगर स्थित एक मकान का ताला खोलकर चोर नकदी और जेवरात समेत करीब 70 हजार का सामान चोरी कर ले गए। घटना रात करीब दो बजे की बताई गई है। उस समय मकान मालिक ताला लगाकर 45 मिनट के लिए बाहर चला गया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक मुबारिक खां (26) शारदा नगर नारियलखेड़ा में रहता है और पोल्ट्री फार्म का काम करता है। 9 अक्टूबर की रात करीब 2 बजे उसने अपने मकान में ताला लगाया और चाबी बाहर खड़ी बाइक की बैग में रख दिया। उसके बाद कार लेकर काजीकैंप चला गया। करीब 45 मिनट बाद लौटा तो गेट खुला मिला और ताला चाबी उसी बाइक के बैग में रखी मिली। अंदर जाकर पत्नी को जगाया तो उसे गेट खुलने की जानकारी नहीं थी। अलमारी चैक करने पर पता चला कि बदमाश जोड़ी सोने की झुमकी, एक सोने की लोंग, एक जोड़ी चांदी की पायल, दो जोड़ी चांदी के परिबंद तथा नकदी करीब 17 हजार रुपए नहीं थे। चोरी गए जेवरातों के बिल भी उसी पत्नी में रखे हुए थे, जिसमें आभूषण रखे थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों पर प्रकरण दर्ज कर लिया है।

लोडिंग वाहन से 17 साडियां चोरी

भोपाल। कोहेफिजा इलाके में एक लोडिंग वाहन में रखी गठान से चोर 17 साडियां चोरी कर ले गए। सीसीटीवी कैमरे में कचरा बीनने वाली कुछ लड़कियां वाहन से आसपास दिखाई दी हैं। अनुमान है कि उन्हीं ने उक्त माल चोरी किया होगा। पुलिस के मुताबिक ममता गुप्ता (48) सावन नगर हलालपुरा में रहती हैं और कोरियर कंपनी चलाती हैं। बीती पांच अक्टूबर की शाम करीब आठ बजे उनके लोडिंग वाहन में साडियों की गठान लादी गई थी। अगली सुबह देखा तो एक गठान खुली हुई थी और साडियां बिखरी थी। चेक करने पर पता चला कि गठान के अंदर से कुल 17 साडियां गायब हुई हैं। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादिया ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखे तो कचरा बीनने वाली कुछ संदेही लड़कियां गाड़ी के पास दिखाई दी हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

घर के सामने खड़ा बैटरी आटो चोरी

भोपाल। गौतम नगर इलाके में एक व्यक्ति के घर के बाहर खड़ा बैटरी आटो चोरी चला गया। आसपास तलाश करने पर भी जब आटो का कुछ पता नहीं चला तो फरियादी ने थाने जाकर चोरी का केस दर्ज करवा दिया।

फाईल फोटो

पुलिस के मुताबिक राशिद खां (40) बैरसिया रोड पीजीबीटी कालेज गौतम नगर में रहते हैं और बैटरी वाला आटो चलाते हैं। पिछले दिनों उन्होंने अपना आटो घर के सामने खड़ा किया और अंदर जाकर सो गए। आटो का लॉक खराब होने के कारण उन्होंने उसे लॉक नहीं किया था। अगली सुबह देखा तो आटो गायब हो चुका था। आसपास के इलाके में तलाश करने के बाद भी जब आटो का कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर कमला नगर स्थित खुशीलाल अस्पताल के पास से अर्ष दत्ता की स्कूटर चोरी चली गई। एमपी नगर जोन क्रमांक दो से नीलेश, भेल गेट के पास गोविंदपुरा से नरेश प्रजापति और मिसरोद स्थित मेपल माल के सामने से राज यादव की मोटर सायकिल चोरी चली गई। पुलिस ने सभी माममलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, गले पर मिले चोट के निशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार थाना क्षेत्र स्थित कजलीखेड़ा झुग्गी में गुरुवार शाम संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। मृतक के गले पर धारदार हथियार से चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई करेगी।

पुलिस के अनुसार बाबूलाल पिता परमू सौंर (45) मथुरापुरा, झांसी का था। वह यहां कजलीखेड़ा में बंसल कंपनी द्वारा बनाए गए टीनशेड में रह रहा था और बंसल कंपनी में मजदूरी कर रहा था। वह यहां पर अपनी पत्नी मनकुबाई के साथ रह रहाथा। मनकू बाई ने बताया कि गुरुवार शाम वह पड़ोस में बैठने गई?थी। इस दौरान शेड में पति बाबूलाल अकेला था। वह रात करीब साढ़े 8 बजे के आसपास घर लौटी तो उसने पति की लाश शेड में पड़ी देखी। उसकी चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाबूलाल का शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि बाबूलाल के गले में चोट के गहरे निशान है। अनुमान है कि उसकी हत्या की गई है। हालांकि हत्या किसने की है उसकी तलाश की जा रही है।

कोलार में मल्टी से गिरकर युवक की मौत

भोपाल। कोलार रोड स्थित स्वीट होम्स मल्टी से गिरकर घायल हुए युवक की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सुनील रैकवार (44) मूलत- गंजबासौदा जिला विदिशा का था। वह पिछले करीब 12 वर्षों से कोलार में रहकर एक व्यक्ति के यहां ड्रायवरी कर रहा था। कुछ दिन पहले उसकी तबीयत खराब हुई तो वह गांव चला गया था। तबीयत ठीक होने के बाद दोबारा भोपाल लौटा और काम करने लगा। मंगलवार रात वह दानिशकुंज कोलार रोड स्थित स्वीट होम्स मल्टी में रुका था। रात करीब ढाई बजे किसी काम से बालकनी में पहुंचा, तभी बैलेंस बिगड़ने के कारण नीचे जा गिरा। स्थानीय लोगों ने उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, वहां उसकी मौत हो गई।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

भोपाल। कोलार रोड पर सड़क हादसे में घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। पुलिस के मुताबिक अनिकेत यादव (25) मूलत- गौहरगंज जिला रायसेन का रहने वाला था। कोलार रोड स्थित ग्राम कजलीखेड़ा में उसकी ससुराल है। बीती चार अक्टूबर को अनिकेत बाइक से अपनी ससुराल जा रहा था। कोलार रोड स्थित ग्राम गोल जोड़ के पास उसकी बाइक फिसल गई, जिससे वह घायल हो गया था। उसे इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

किश्त नहीं चुकाने पर रिकवरी एजेंट ने की मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित बिहारी मोहल्ला में निजी फायनेंस कंपनी के रिकवरी एजेंट द्वारा घर में घुसकर महिला से गालीगलौज और उसके पति से मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने बेटे की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मारपीट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बिहारी मोहल्ला निवासी घनश्याम ठाकुर ने शिकायत करते हुए बताया कि वह प्राइवेट काम करता है। उसकी भाभी बेबी कुशवाह ने आईआईएफएल कंपनी से 70 हजार रुपए का लोन लिया था। लोन की प्रतिमाह 3 हजार 60 रुपए किश्त आती है। 9 अक्टूबर बुधवार सुबह 11 बजे के लगभग आईआईएफएल कंपनी से रिकवरी एजेंट वैभव सक्सेना एवं वीरेन्द्र सिंह ठाकुर उनके घर पहुंचे। घर पर मां से किस्त के पैसे मांगने लगे। इस दौरान वह अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। मां ने कहा कि बहू अभी घर पर नहीं है। इस पर वह भड़क गए और मां से गालीगलौज करने लगे। मां के साथ गालीगलौज होती पिता ने वैभव सक्सेना एवं वीरेन्द्र सिंह ठाकुर को गाली देने से मना किया तो वह भड़क गए और पिताजी को धक्का मार दिया। इस दौरान वैभव ने उसके पिता से बेल्ट से मारपीट की। बेल्ट का बेच माथे पर लगने से उन्हें चोट आई हैं। घनश्याम ने बीच बचाव किया तो दोनों कहने लगे कि आज तो यह बच गया यदि किश्त के पैसे समय पर नहीं जमा करते हो तुम लोगो को जान से खत्म कर देंगे।

नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित नया बसेरा में एक नवविवाहिता फांसी लगा ली। परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पास एक सुसाइड मिला है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस के मुताबिक खुशी धाकड़ पत्नी शुभम धाकड़ (22) नया बसेरा में रहती थी और गृहणी थी। उसका पति ड्रायवरी करता है। बुधवार को खुशी अपने मासूम बच्चे और ससुर के साथ घर पर थी, जबकि पति काम पर गया था। शाम करीब छह बजे पति घर पहुंचा तो खुशी अपने कमरे में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। परिजन ने उसे तत्काल ही फंदे से उतारकर इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजन को सौंप दी है। कमरे की तलाशी में पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है कि मैं आपसे पहुत प्यार करती हूं, इसके बाद भी आप मुझे गलत समझते हैं। आगे लिखा है कि बेटे को अच्छा इंसान बनाना। पुलिस ने नोट जब्त कर लिया है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के समय पत्नी मायके गई हुई थी। बहनोई का फोन रिसीव नहीं हुआ तो उन्होंने पड़ोसी को घर जाकर देखने का बोला था, जिसके बाद फांसी लगाने का खुलासा हुआ। पुलिस के मुताबिक सौरभ खेवरिया (33) बांसखेड़ी कोलार रोड पर रहता था और प्रायवेट काम करता था। पिछले दिनों पत्नी अपनी तीन साल की बच्ची को लेकर मायके चली गई थी। बुधवार को दोपहर में बहनोई ने फोन लगाया तो सौरभ ने फोन रिसीव नहीं किया। परेशान होकर उन्होंने पड़ोस में रहेन वाले रामकृष्ण को घर जाकर देखने का बोला। वह घर पहुंचा तो सौरभ फांसी के फंदे पर लटका दिखा। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराया और लाश परिजनों को सौंप दी।

गुनगा में स्कूली बच्चों ने निकाली जागरुकता रैली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे अभियान मैं हूं अभिमन्यु के तहत गुनगा थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा के नेतृत्व में इलाके के स्कूलों में जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। गुरुवार को शासकीय स्कूल गुनगा के बच्चों के साथ इलाके में जागरुकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर टीआई हरिशंकर वर्मा के साथ ही उपनिरीक्षक रामसिंह, सहायक उपनिरीक्षक रामचरण, राजेश, अजय और प्रधान आरक्षक हेमराज द्वारा आमजन को अभिमन्यु अभियान के तहत गुड -टच, बेड-टच, महिला संबंधी अपराध, छेडखानी, अपहरण, ह्यूमन ट्रैफिकिंग के साथ ही साइबर अपराध, मोबाइल से होने वाले ई-अपराध, इंस्टा ग्राम, फेसबुक, हाउस अरेस्ट आदि के बारे में जानकारी दी गई. इसके अलावा सभी को यातायात नियम, नशे के दुष्प्रभाव, नशे से दूर रहने एवं नशा मुक्ति, महिला समानता आदि के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान कर जन-चेतना रैली निकाली गई।

पिपलानी और कटारा हिल्स पुलिस ने गांजा तस्करों को पकड़ा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पिपलानी ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 किलो 100 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत बीस हजार रुपए बताई जा रही है। इसी तरह कटारा हिल्स पुलिस ने एक महिला गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 200 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत तीन हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस दोनों तस्करों पर एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि पिपलानी स्थित आनंद नगर में एक युवक मादक पदार्थ गांजा लिए हुए है और वह उसे पुड़िया के माध्यम से बेच रहा है। पुलिस ने घेराबंदी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी तलाशी लेने पर 1 किलो 100 ग्राम गांजा मिला। आरोपी की पहचान विनोद कुशवाह के रूप में की गई। इधर कटारा हिल्स पुलिस ने बताया कि गुरुवार रात मुखबिर की सूचना पर बर्ई गांव में एक मकान में दबिश दी। इस दौरान वहां रहने वाली निर्मला पांड पति रमाकांत पांडे (45) को गिरफ्तार कर उसके पास से 200 ग्राम गांजा बरामद किया। बरामद गांजे की कीमत तीन हजार रुपए बताई जा रही है।

मेट्रो एंकर | बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र में 186 फैक्ट्रियों का पुलिस ने किया निरीक्षण

12 फार्मा कंपनियों में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, फैक्ट्री के सभी कर्मचारी का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कटारा हिल्स स्थित बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्री में करोड़ों रुपए की एमडी पकड़ाने के बाद पुलिस हरकत में आग गई। मिसरोद एसीपी डॉक्टर, रजनीश कश्यप के नेतृत्व में कटारा टीआई विजेंद्र निगम, बागसेवनिया टीआई अमित कुमार सोनी समेत एकेवीएन की टीम ने 186 फैक्ट्रियों का निरीक्षण किया। इनमें से 12 फैक्ट्रियां फार्मा व्यवसाय से जुड़ी हैं। किसी भी फैक्ट्री में गड़बड़ी नहीं मिली है। टीम ने निरीक्षण के दौरान सभी फैक्ट्री मालिकों को गेट और जरूरी स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने तथा प्रत्येक कर्मचारी का पुलिस वेरीफिकेशन अनिवार्य करने की हिदायत दी।

जानकारी के अनुसार दिल्ली एनसीबी और गुजरात एटीएस ने बीती पांच अक्टूबर को बगरौदा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्ट्री पर छापा मारा था। इस फैक्ट्री में मादक पदार्थ एमडी बनाने की जानकारी एनसीबी को मिली थी। टीम ने यहां से 1814 करोड़ रुपये कीमत की ड्रग और कच्चा माल जब्त किया था। इस मामले में भोपाल निवासी अमित चतुवेर्दी और नासिक महाराष्ट्र निवासी सान्याल बाने को गिरफ्तार किया गया। दोनों से हुई पूछताछ के बाद गिरोह के मुखिया मंदसौर निवासी हरीश आंजना को पकड़ा गया था।

मालिक को दी थी साबुन फैक्ट्री की जानकारी

उन्होंने करीब छह महीने पहले भेल कारखाने के रिटायर्ड अफसर एसके सिंह से उनकी फैक्ट्री 50 हजार रुपए महीने में किराए पर ली थी। सिंह को उन्होंने फैक्ट्री में साबुन बनाने की जानकारी दी थी, लेकिन एमडी ड्रग बना रहे थे। लेबर सप्लाई करने वाले ठेकेदार को बुलाया निरीक्षण में बाकि फैक्ट्रियों में कोई बड़ी गड़बड़ी सामने नहीं आई है, लेकिन ज्यादातर कारखानों में काम करने वाले मजदूरों पुलिस वेरीफिकेशन नहीं है। पुलिस ने मजदूर मुहैया कराने वाले ठेकेदार को बुलाया है। जिससे पूछताछ कर पता लगाया जाएगा कि उसने कितनी मजदूर का वेरीफिकेशन कराया है।

बनेगी बगरोदा में पुलिस चौकी

सुरक्षा के लिहाज से इलाके में कई स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे। इसके अलावा क्षेत्र में पुलिस सहायता केंद्र या पुलिस चौकी की भी स्थापना की जा सकती है। गोदाम से जब्त माल एनसीबी को सौंपा कटारा हिल्स पुलिस ने अमित चतुवेर्दी के गोदाम पर छापा मारकर 1600 लीटर एसीटोन, 1000 लीटर टोलविन, 100 लीटर एचसीएल, 200 किग्रा सोडियम काबोर्नेट पाउडर, 240 लीटर सॉल्वेंट, 40 किग्रा सोडियम कार्बो, 42 बॉटल ब्रोमिन, 50 किग्रा मैथलामिन, हाइड्रोक्लोरिड, 50 किग्रा लाइट सोडा ऐश, 10 किग्रा क्रिस्टल समेत करीब 30 लाख रुपये का कच्चा माल जब्त किया था। इस केमिकल के ड्रग बनाई जाती तो उसकी कीमत करीब 300 करोड़ रुपए है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022